दैनिक समाचार पत्र

मरूधर आवाज़

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

वर्षः 1 | अंकः 248 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, बुधवार , 20 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

सांसद किरोड़ी को धमकी मिलने पर कार्यकर्ताओं में रोष

लालसोट (दौसा) राज्यसभा सांसद डॉ. किरोडी लाल मीणा को धमकी भरा पत्र मिलने के बाद कार्यकर्ताओं में काफी रोष बना नजर आया। लालसोट में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्यसभा सांसद डॉ. मीणा को जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिलने की जांच कराए जाने एवं उनकी सुरक्षा बढ़ाए जाने की मांग की गई। भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने कहा कि राज्यसभा सांसद के दिल्ली स्थित आवास पर धमकी भरे पत्र मिलने से उनके कार्यकर्ताओं में गहरा रोष है। वहीं उन्होंने इस प्रकार की घटना की निंदा करते हुए कहा कि सांसद की सुरक्षा को लेकर पहले भी मांग की जा चुकी है, परंतु राज्य सरकार हमेशा इसकी अनदेखी करती आ रही है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद प्रदेश में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचारियों के काले कारनामे उजागर करते रहे हैं, इसके बावजूद राज्य सरकार उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर नहीं आ रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार से उनकी सुरक्षा बढ़ाए जाने की मांग की। इस दौरान अनिल बैनाडा, शिव शंकर जोशी, मुकेश रामगढ़, रसाल सिंह मीणा, श्री राम मीणा, राहुवास मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह राजावत, मोती लाल मीणा, भाजयुमो नगर अध्यक्ष दीपक सेडूलाई, हनुमान शाहपुरा, विनोद कोराका, रामप्रसाद बगड़ी, हनुमान मुकुंदपुरा, हरलाल खर्रा, चंदर सरपंच, हनुमान शर्मा डिडवाना, बलराम बैरवा, श्रीराम माधोपुरा, पूर्व चेयरमैन प्रेम प्रकाश चौधरी, हरिनारायण माठा, महेश जांगिड़ एवं विनोद बड़कापाड़ा, पुनीत बोहरा, अशोक चौधरी, कमलेश सैनी एडवोकेट, विकास गौतम, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई

देवली। मंगलवार को स्थानीय पुलिस की गठित टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंच कर अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई में पुलिस ने चार ट्रैक्टर ट्रॉलीयो को जप्त किया। जिन्हें पुलिस अपने साथ थाने ले आई । थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद ने जानकारी में बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश मिलने पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीम घटित की गई । जिला पुलिस अधीक्षक से मिले निर्देश की पालना में थाना अधिकारी ने उक्त गठित टीमों को अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए आदेश दिए। मंगलवार को पुलिस की गठित टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंच कर। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन किए जाने वाले ट्रैक्टरों पर निगरानी शुरू कर दी इस दौरान पुलिस के गठित दल ने तीन ट्रैक्टरो को अवैध बजरी ले जाते हुए पकड़ लिया। उक्त दौरान पुलिस ने अवैध चैजा पत्थर ले जाते एक ट्रैक्टर ट्राली को भी पकड़ लिया। यहां पुलिस ने चारों ट्रैक्टरों के विरुद्ध एम एम आर डी एक्ट में कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। मंगलवार को स्थानीय थाना पुलिस अधिकारी जगदीश प्रसाद के अनुसार पुलिस की गठित दल ने उपखंड क्षेत्र गश्त की । इस दौरान गस्त पुलिस ने चार ट्रैक्टर को जप्त किया जिनमें से तीन ट्रैक्टर अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते पाए गए तो वही एक ट्रैक्टर अवैध चेजा पत्थर परिवहन करते हुए दिखाई दिया जिन्हें पुलिस की टीम ने पकड़कर अपने कब्जे में ले लिया। और थाने ले आई । पुलिस ने चारों ट्रैक्टरों को थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है ।

मौसेरे भाई-बहन के मर्डर का खुलासा

टारगेट पर रमेश था, कविता की गई बेवजह जान

एक महीने पहले बनाई मर्डर की प्लानिंग, अरोपी ने खरीदी सेकेंड हैंड कार

❐ मरूधर आवाज

जोधपुर। मौसेरे भाई-बहन का रोड एक्सीडेंट मर्डर का मामला निकला। जोधपुर पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि युवक रमेश पटेल के मर्डर की प्लानिंग एक महीने पहले ही बना ली गई थी। इसके लिए आरोपी ने सेकेंड हैंड कार भी खरीदी थी। बदमाशों के टारगेट पर रमेश ही था, जबकि कविता की इस दुश्मनी में बेवजह जान चली गई। इस डबल मर्डर में शंकर पटेल मुख्य आरोपी है। उसी ने साजिश रची थी। वह अभी फरार है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी पश्चिम गौरव यादव ने बताया कि शंकर पटेल की रमेश पटेल से दुश्मनी थी। 1 महीने पहले उसने राकेश माली, राकेश सुथार और सोहन पटेल के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। वह कई दिनों से इनकी रैकी कर रहे थे।

कविता (मौसी की बेटी)

रमेश (मौसी का बेटा)

सोमवार को भी रमेश की रैकी की गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह करीब नौ बजे सर गांव निवासी रमेश पटेल (28) अपनी मौसेरी बहन कविता (25) को लेकर जोधपुर तहसील ऑफिस जा रहा था। उसकी मौसेरी बहन कविता का सिलेक्शन पटवारी के लिए हुआ था और वह नौकरी जॉइन करने जा रही थी। इस पर शंकर के साथी ने रैकी कर बताया कि रमेश घर से रवाना हो गया। इस पर गांव के बाहर निकलते ही एसयूवी से आरोपियों ने दोनों को रौंद कर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गाड़ी कौन चला रहा था इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। हत्या का मुख्य आरोपी और साजिशकर्ता शंकर पटेल अभी फरार है। ऐसे में इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि रमेश की हत्या क्यों की गई थी।

पहले भी तीन से चार बार कर चुके थे रैकी

डीसीपी यादव ने बताया कि आरोपी पहले भी तीन से चार बार रमेश की रैकी कर चुके थे। लेकिन, उनकी प्लानिंग फेल हो गई। रमेश की हत्या को सड़क हादसा बताने के लिए राकेश माली के नाम से सेकेंड हैंड कार खरीदी थी। इसका फाइनेंस शंकर पटेल ने किया था। उन्होंने बताया कि यह मर्डर पूरी तरह से प्री-प्लान्ड था।

परिजन सोमवार से बैठे हैं धरने पर

इस घटना के बाद से परिजन और ग्रामीण धरने पर बैठे हैं। हादसे के बाद मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर जमा हो गए थे। परिजन व समाज के लोग पहले से ही कुछ लोगों पर मर्डर का आरोप लगा रहे थे। इसके बाद पुलिस कमिश्नर रविदत्त गौड़ के निर्देशन में आधी रात तक टीम लगी रही। परिजनों ने बताया था कि जिस रोड पर हत्या की गई, वहां खेत में काम कर रहे ग्रामीणों ने परिजनों को बताया कि आरोपियों ने सड़क किनारे मोड़ पर उसका इंतजार किया। वहां बैठ कर केले खाए। जब मोटरसाइकिल आई तो रुकने को कहा। रमेश ने बाइक नहीं रोकी तो वे जोर-जोर से चिल्ला कर रोकने का बोला और पीछे से जान बूझकर टक्कर मारी और घसीटते हुए 200 मीटर तक ले गए। परिजनों ने कहा कि इस तरह से टक्कर मारना और दो दिन से गांव में रैकी करने पर साफतौर पर हत्या है।

उत्तरी पाकिस्तान के मंडी बहाउद्दीन शहर का रहने वाला है रिजवान

पाक से नूपुर शर्मा की हत्या करने आया घुसपैठिया

श्रीगंगानगर बॉर्डर पर बीएसएफ ने पकड़ा, दो चाकू व मैप मिला

❐ मरूधर आवाज

श्रीगंगानगर (जयपुर)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने राजस्थान में इंटरनेशनल बॉर्डर से घुसपैठ कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। न्यूज एजेंसी सूत्रों के अनुसार आरोपी भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को मारने की फिराक में था। उसके पास से कई संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं। खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग और मिलिट्री एजेंसी की संयुक्त टीम उससे पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने बताया कि 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे श्रीगंगानगर जिले से लगे हिन्दूमलकोट बॉर्डर फेंसिंग पर संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा था। पेट्रोलिंग टीम को शक हुआ तो उससे पूछताछ की। वह सही से जवाब नहीं दे सका। तलाशी लेने पर उसके पास से दो चाकू मिले। जिसमें एक 11 इंच का एक धारदार चाकू था। इसके अलावा धार्मिक किताबें, मैप, कपड़े और खाने का सामान भी मिला।

उत्तरी पाकिस्तान का रहने वाला है आरोपी

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रिजवान अशरफ बताया है। वह उत्तरी पाकिस्तान के मंडी बहाउद्दीन शहर का रहने वाला है। उसने बताया कि नूपुर शर्मा की हत्या के इरादे से बॉर्डर क्रॉस किया। साजिश को अंजाम देने से पहले वह अजमेर शरीफ जाने वाला था। बीएसएफ ने आरोपी को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उसे स्थानीय कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे आठ दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। श्रीगंगानगर में तैनात बीएसएफ अफसरों से इस बारे कहा कि एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा तो गया है, लेकिन वह नूपुर शर्मा के मर्डर के लिए आया है, यह जानकारी नहीं है। एसपी आनंद शर्मा का कहना है कि उन्हें इस मामले में अब तक कोई नई जानकारी नहीं है। घुसपैठिया पकड़ा गया था, लेकिन पूछताछ में उसने क्या बताया, इस बारे में अभी कुछ नहीं कह सकते।

कन्हैयालाल के हत्यारों का भी पाक कनेक्शन

उदयपुर के कन्हैयालाल के हत्यारों का भी पाक कनेक्शन सामने आया था। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने बताया कि दोनों हत्यारे पाकिस्तान के दावत-ए-इस्लाम कट्टरपंथी संगठन से जुड़े हुए थे। हत्यारे गौस मोहम्मद ने पाकिस्तान में ट्रेनिंग भी ली थी।

दोनों पाकिस्तान के 10-12 मोबाइल नंबरों पर लगातार बात करते थे। रिजवान की गिरफ्तारी से अब एक बार फिर नूपुर शर्मा केस में पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है।

घूसखोर नगरपालिका चैयरमेन व रेनबसेराकर्मी न्यायिक हिरासत में

1 लाख 50 हजार रुपए रिश्वत लेते किया था गिरफ्तार

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। सोमवार को एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर टोंक इकाई ने कार्यवाही करते हुए भरतलाल सैनी हाल चैयरमेन नगरपालिका टोड़ारायसिंह जिला टोंक व रेनबसेरा कर्मी (प्राईवेट) दिनेश सैनी को परिवादी से 1,50000 रुपये रिश्वत लेते रंगे गिरफ्तार किया गया किया था। मंगलवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक ने डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लिए जाने के मामले में गिरफ्तार हुए टोडारायसिंह चेयरमैन और दलाल को कोर्ट में पेश किया जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों को 01 अगस्त तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि हमारे द्वारा ग्राम रतवाई तहसील टोड़ारायसिंह में काटी जाने वाले कॉलोनी में किसी प्रकार का विवाद नहीं करवाने की एवज में नगरपालिका टोड़ारायसिंह के चैयरमेन भरतलाल सैनी द्वारा अपने पीए दिनेश सैनी के मार्फत 3,50000 रूपये की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी अजमेर के उप महानिरीक्षक पुलिस समीर कुमार सिंह के निर्देशन में टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर कार्यवाही करते हुए भरतलाल सैनी पुत्र नन्दालाल सैनी निवासी वॉर्ड नं. 2 बीओबी बैंक के सामने टोड़ारायसिंह जिला टोंक, हाल चैयरमेन नगरपालिका टोड़ारायसिंह जिला टोंक तथा दिनेश कुमार सैनी पुत्र पप्पूलाल सैनी निवासी वॉर्ड नं. 2 टोड़ारायसिंह जिला टोंक, हाल रेनबसेरा कर्मी (प्राईवेट) नगरपालिका टोड़ारायसिंह जिला टोंक को परिवादी से 1,50000 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक ने डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लिए जाने के मामले में गिरफ्तार हुए टोडारायसिंह चेयरमैन और दलाल को कोर्ट में पेश किया जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों को 01 अगस्त तक

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

हमें बताए नीचे दिए गए नंबर पर वॉट्सएप करे

6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

स्कूल गई नाबालिग का अपहरण

पिता ने चार के खिलाफ कराया मामला दर्ज

❐ मरूधर आवाज

अजमेर। अजमेर जिले के मसूदा थाना क्षेत्र के एक गांव से स्कूल गई नाबालिग का अपहरण कर ले जाने व जान से मारने की धमकी देकर छोड़ने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर चार आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। माला का बाडियाए देवास निवासी पिता ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी बेटी 15 साल की है और 8वीं में पढ़ती है। शुक्रवार को आरोपियों ने स्कूल जाते समय रास्ते में चाकू दिखाकर डराया और कहा कि कल हम तीनों के साथ चलना है। साथ ही किसी को यह बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। शनिवार को जब वह स्कूल गई तो रास्ते में केबिन से आगे अग्रेजी बबूल व झाड़ियों के पास एक मोटरसाईकिल पर तो मनोहर दूसरी पर रतनसिंह व मनोज था। उसे रोककर चाकू दिखाकर मोटरसाईकिल पर बैठने को कहा तो वह भागी। आरोपियों ने उसे अपहरण करने की नियत से पकडा और धक्का मुक्की करने से वह पत्थर पर गिरी, जिससे आंख व सिर पर चोट आई। रतनसिंह व मनोज ने मोटरसाईकिल पर बिठाया और आसीन्द रोड की ओर रिछमाल के पास अकबर के घर पर ले गए।

तीनों ने अकबर को फोन लगाया और कहा कि हम तुझे बेच रहे है, जिससे काफी रुपये हमें मिलेंगे। बेटी का थैला स्कूल की एक छात्रा के साथ भेज दिया। इसके बाद पता किया लेकिन पता नहीं चल सका। बाद में आरोपी उसे वापस ले आए और मनोहर ने घर के पास दांती पर छोड़ दिया। बेटी को धमकाया कि कोई भी घटना की बात बताई तो तुझे जान से मार देंगे। इसलिए उसने कुछ नहीं बताया। दूसरे दिन स्कूल भेजने लगे तो सारी बात बताई। पिता ने पुलिस से गुहार लगाई है कि बेटी का अपहरण कर चाकू से जान से मारने की धमकी देने व धक्का मुक्की करने से आंख के पास चोटिल होने के कारण मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाए। पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पशुपालन विभाग में बुधवार को आयोजित होगा पौधारोपण उत्सव

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। कृषि एवं पशुपालन विभाग के मंत्री श्री लालचन्द कटारिया ने विभागीय कार्यालयों, फार्मों एवं पशु चिकित्सालयों में 21-21 तथा समस्त पषु चिकित्सा उपकेन्द्रों में 11-11 छायादार वृक्षों यथा; नीम, सहजन, अरडू, खेज?ी, शहतूत, जामून तथा शीशम इत्यादि का पौधारोपण कर इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। पौधारोपण कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में विभागीय संस्था परिसरों में बुधवार 20 जुलाई को वृहद पौधारोपण कार्यक्रम एक उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत अधिकाधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए श्री कटारिया ने बताया छायादार वृक्षों का पौधारोपण, का यह उत्सव पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित होगा। श्री कटारिया ने बताया की हमे इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि एक पीढी ने जो पौधों नष्ट करने की गलती की है वह अगली पी?ी न दोहराए। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अत्यधिक मात्रा मे हो रहा है, जिससे कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं आ रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सरंक्षण के लिए समेकित प्रयास किए जाने चाहिये और आमजन को पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प लेना चाहिये। पौधारोपण उत्सव के तहत टोंक रोड स्थित पशुधन भवन परिसर में बुधवार को पशुपालन विभाग के शासन सचिव श्री पी.सी.किसन द्वारा पौधारोपण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री की नौसेना जवान

श्री जयप्रकाश बिश्नोई की शहादत पर संवेदना

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने नागौर जिले के फतेहसर गांव निवासी भारतीय नौसेना के जवान श्री जयप्रकाश बिश्नोई की शहादत पर संवेदना व्यक्त की है। श्री गहलोत ने पोरबंदर तट (गुजरात) पर ड्यूटी के दौरान शहीद हुए श्री बिश्नोई को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बलिदान देकर देश और प्रदेशवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की है।

टीम परचम फाउंडेशन और यूनाइटेड मुस्लिम ऐड ने आयोजित किया कैरियर कॉउन्सिल प्रोग्राम का आयोजित हुआ

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। रामगंज के बडी रहमानी मस्जिद मे परचम फाउंडेशन और उमा (MA) की और से 9वीसे 12वीक्लास के PSC RAS, IAS और Journalism मैं रुचि रखने वाले बच्चों के लिए करियर गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया गया प्रोग्राम का अहम मकसद छात्र-छात्राओ को अलग-अलग कोर्सेज़ के बारे में अवगत कराना था ताकि वो सही वक्त पर सही रास्ते को चुन सके ! प्रोग्राम में सभी वर्ग से 100 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया साथ ही बच्चों में अपने आने वाले कल को लेकर फिक्रमंद नजर आये जो कि हमारे आने वाले कल के लिए अच्छी खबर हैं प्रोग्राम के खुसूसी मेहमान ज़नाब मुफ्ती ज़ाकिर नोमानी साहब शहरी-ऐ- मुफ्ती ने बच्चों से रूबरू होकर उनको पढाई की अहमियत के बारे में बताया की आज के व?त में हमें दुनिया के साथ चलने की जरूरत हैं जिसका एक मात्र रास्ता तालीम हैं !फिरोज खान ने बच्चों आर्ट्स और कॉमर्स, इमरान खान अंसारी और मोहम्मद जुबेर ने साइंस, मोहम्मद शहजाद ने आई टी. और नईम रब्बानी ने बच्चों को सभी स्ट्रीम की सामान्य जानकारी से अवगत करवाया !प्रोग्राम का संचालन सलमान खान रहमानी ने किया ! मेहमाने खुसूसी का शुक्रिया मोहम्मद शहजाद ने किया टीम परचम फाउंडेशन से एडवोकेट मुजाहिद अख्तर ,फैसल,तोहिद,समी,फीशान, अफजल, हसन और हसनैन और उमा से कोऑर्डिनेटर मोहम्मद जुबेर शामिल रहे।

खोह नागोरियान पुलिस ने नाबालिग को किडनैप कर रेप के आरोपी मीठालाल को गिरफ्तार किया

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। जयपुर में 2 बार किडनैप कर एक नाबालिग से रेप किया गया। आरोपी ने कई शहरों में ID बदलकर होटल में रूम बुक कर नाबालिग से दरिंदगी की। 5 हजार रुपए के इनामी बदमाश और नाबालिग को ढूंढकर खोह नागोरियान पुलिस जयपुर लाई है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है DCP (ईस्ट) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि मामले में आरोपी मीठालाल उर्फ कालूराम (29) निवासी खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया गया है। करीब 3 महीने पहले खोह नागोरियान इलाके में रहने वाली 16 साल की नाबालिग ल?की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। परिजनों के नाबालिग बेटी के किडनैपिंग का मामला दर्ज कराया। स।।ह्व मनोहर लाल के नेतृत्व में नाबालिग को मथुरा से ढूंढकर जयपुर लाई। कोर्ट में नाबालिग ने बयानों में बताया कि आरोपी मीठालाल उसे जबरन भगा ले गया था। मथुरा ले जाकर उसके साथ रेप किया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मीठालाल के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। नाबालिग ल?की को मां-बाप के पास भेज दिया गया 14 जून की रात दोबारा आरोपी मीठालाल बहला-फुसलाकर नाबालिग को भगा ले गया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। आरोपी मीठालाल पर 5 हजार का इनाम रखा गया। नाबालिग की तलाश में लगी टीम को मंगलवार को सफलता मिली। पुलिस नाबालिग लडकी और आरोपी मीठालाल को पक?कर जयपुर ले आई। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि मथुरा, उदयपुर और महाराष्ट्र के ओरंगाबाद में नाबालिग के साथ होटलों में रेप किया। पुलिस से बचने के लिए अन्य व्यक्तियों की ID से होटल में रुम बुक करता था।

उत्सव पोर्टल पर राज्यों का रिपोर्ट कार्ड जारी, राजस्थान को चुना गया सर्वश्रेष्ठ राज्य

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्सव पोर्टल पर जारी सूची में राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया है। पर्यटन स्थलों को वैश्विक पटल पर लाने और पर्यटकों की मदद के लिए उत्सव पोर्टल का शुभारंभ किया है। राजस्थान को आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस के आधार पर प्रथम स्थान मिला है। राजस्थान ने सर्वाधिक 22 मेलों और उत्सवों से संबंधित समस्त सूचनाओं को उत्सव पोर्टल वेबसाइट पर अपलोड किया है। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इसमें हिस्सा लिया। पर्यटन मंत्री श्री विश्वेन्द्र सिंह ने प्रदेश की अव्वल रैंकिंग पर खुशी जताते हुए कहा कि राजस्थान पर्यटन देश-दुनिया में मिसाल पेश कर रहा है। राजस्थान को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की और से जारी सूची में सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना जाना प्रदेशवासियों और राजस्थान पर्यटन के लिए गर्व की बात है। पर्यटन को ब?ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार पर्यटकों के लिए जरूरी सुविधाओं विकसित कर रही है। राजस्थान अपने समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक स्थलों, प्रसिद्ध मंदिरों, प्राचीन दुर्गों, महलों, स्वादिष्ट व्यंजन और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देश दुनिया में जाना जाता है। राजस्थान में श्री गोविंद देवजी और मोती डूंगरी गणेश मंदिर (जयपुर) जैसे कई धार्मिक स्थलों के लाइव दर्शन लिंक के अलावा पुष्कर मेला (अजमेर), मेवा? उत्सव (उदयपुर), तीज उत्सव (जयपुर), कुंभलग? उत्सव (राजसमंद), ब्रज होली महोत्सव (भरतपुर), गण्गौर उत्सव (जयपुर), मरू महोत्सव (जैसलमेर) जैसे कई मेलों और उत्सवों की सूचना पोर्टल पर दर्ज की गई है।

राज्यों में राजस्थान अव्वल

उत्सव पोर्टल पर जारी सूची में राजस्थान को प्रथम स्थान मिला है। इसी प्रकार जारी सुची में केरला को दूसरा, उत्तर प्रदेश को तीसरा व अंडमान और निकोबार को चौथा स्थान मिला है। उल्लेखनीय है कि उत्सव पोर्टल वेबसाइट एक डिजिटल पहल है। इसे पर्यटन मंत्रालय, केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के समय वर्ष 2021 में शुरू किया था। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया में लोकप्रिय बनाने, मेलों, त्योहारों और प्रमुख मंदिरों में होने वाली पूजा-अर्चना, आरती, का लाइव प्रसारण करना है, ताकि लोग घर बैठे इनका आनंद उठा सकें। साथ ही उन्हें आगामी यात्रा कार्यक्रम को बनाने में आसानी हो।

मिल रही पर्यटन संबंधित जानकारी

उत्सव पोर्टल पर पर्यटन संबंधित संपूर्ण जानकारी आसानी से उपलब्ध हो रही है। पोर्टल पर आधिकारिक सोशल मीडिया लिंक, आधिकारिक वेबसाइटें, विवरणिका और आयोजन समिति के संपर्क विवरण और हवाई, रेल और स?क मार्ग से आसानी से गंतव्य तक पहुंचने की जानकारी प्रदान की जा रही है। इससे पर्यटकों को पर्यटन स्थलों तक पहुंचने की योजना बनाने में सहायता मिल रही है। वेबसाइट पर 28 राज्यों और 9 केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न धार्मिक मंदिरों पूजा-आरती, पर्यटन स्थलों, कार्यक्रमों, मेलों और उत्सवों के लाइव दर्शन की जानकारी दी गई है। पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट को लगातार अपडेट किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र में आने वाले सभी मेलों और उत्सवों से संबंधित नई जानकारी तेजी से वेबसाइट पर अपडेट की जा रही है।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुरा जयपुर पर संचालित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय जगतपुरा, जयपुर में मंगलवार को सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट श्री गणेश प्रसाद गुर्जर ने बताया कि प्रात:कालीन वेला के अवसर पर महात्मा गांधी सेवाग्राम आश्रम, वर्धा,महाराष्ट्र से श्री मनोज ठाकरे के मुख्य आतिथ्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। श्री ठाकरे ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन सभी समुदायों में आपसी भाईचारा एवं प्रेम का वातावरण पैदा करने के लिए किया जाता था। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के मध्य सद्भाव का वातावरण पैदा करने के लिए इस सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शान्ति समन्वय) श्री मनीष कुमार शर्मा ने प्रार्थना सभा की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्ष पर्यन्त इस प्रकार के आयोजनों से समाज का वातावरण सौहार्दपूर्ण, स्वच्छ एवं निर्मल बना रहेगा तथा स्काउट जैसी पवित्र संस्था के सदस्यों के साथ समाज के समस्त वर्गों के लोग मिलकर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करत रहें तो देश में शान्ति अहिंसा का माहौल तैयार होगा। सभा के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ अध्यापक श्री राजेन्द्र कुमार यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

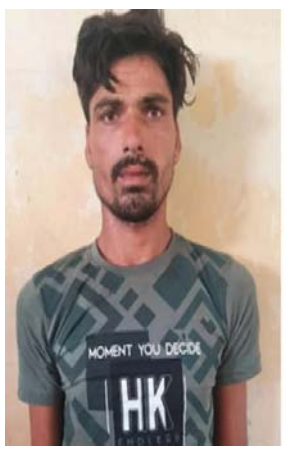

जलमहल में कूदकर महिला ने किया सुसाइडग्पाल पर कुछ देर टहलने के बाद लगाई छलांग, सिविल डिफेंस टीम ने बाहर निकाला शव

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना के जलमहल में सोमवार शाम एक महिला ने छलांग लगा दी ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से महिला को बाहर निकाला जलमहल से बाहर निकालने से पहले ही पानी में डूबने से उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है एसएचओ प्रदीप सिंह ने बताया कि शाम करीब 6ः30 बजे एक महिला जलमहल की पाल पर घूम रही थी। कुछ देर टहलने के बाद उसने जलमहल में छलांगा लगा दी। पानी में महिला को कूदते देखकर वहां मौजूद लोगों में हडकम्प मच गया। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को मौके पर बुलाया। सिविल डिफेंस टीम ने जलमहल में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद महिला को जलमहल से बाहर निकाला गया। बाहर निकलकर जांच करने पर महिला की डेथ होने का पता चला। पुलिस ने मृतका की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हुई। पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से शव को स्स्स्र हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिजवाया। पुलिस मृतका की पहचान के साथ सुसाइड करने के कारणों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि मृतका उमा जैन (60) गुर्जर घाटी की रहने वाली थी। वह कैंसर से पीड़ित थी। सोमवार को बेटा रमेश उन्हें दवा दिलाकर काम पर चला गया था पीछे से उमा जलमहल आकर पानी में कूद गई थोड़ी देर बाद बेटा उन्हें तलाशते हुए वहां पर आ गया। उसके बाद मृतका की शिनाख्त हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है

मिशन सुरक्षा चक्र के तहत जिले में 7.31 लाख लोगों का हुआ सर्वे

जिले में अब तक 5.21 लाख लोगों की हीमोग्लोबिन जांच की

जालोर। राज्य सरकार एवं जिला कलेक्टर के निर्देशन में नवाचार के तहत जिले में कुपोषण एवं अनीमिया की दर को कम करने के लिए मिशन सुरक्षा चक्र कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। जिसके तहत जिले में 5 वर्ष तक के बच्चों का सर्वे आंगनवा?ी केंद्रों पर आंगनवा?ी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा हैं वहीं 5 से 19 वर्ष तक मेल फीमेल बच्चों की स्क्रीनिंग आशा सहयोगिनियों द्वारा घर-घर जाकर की जा रही है। जिले भर के स्वास्थ्य केंद्रों पर अनीमिया की रोकथाम के लिए जांच कर बालिकाओं,गर्भवती माताओं को आईएफए टैबलेट देकर उपचार किया जा रहा है। आंगनवा?ी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनियों द्वारा सर्वे के दौरान अनीमिक लक्षण पाए जाने वाले बच्चो की एएनएम द्वारा हिमोग्लोबिन जांच की जा रही हैं जिसमें अनीमिया की पुष्टि होने पर बच्चो को आईएफए टैबलेट एवं सिरप देकर उपचार किया जा रहा है इसके अतिरिक्त 19 साल से ऊपर सभी महिलाओं का सर्वे किया जाएगा इनमें भी अनीमिक पाए जाने पर उनकी जांच कर इलाज किया जाएगा । जिला आशा समन्वयक रमेश पन्नू ने बताया कि अब तक जिले में 7.31 लाख लोगों की सर्वे द्वारा स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं जिसमे अब तक लक्षणों के आधार पर 33505 अनीमिक पाए गये हैं तथा 5.21 लाख लोगां की हिमोग्लोबिन की जाँच की जा चुकी हैं इसमें लगभग 40392 लोगां का हिमोग्लोबिन 11 ग्राम से कम पाया गया हैं। इस तरह कुल लगभग 74 हजार से अधिक अनिमिक पाए गये।

स्मैक की सप्लाई करने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने सिंधीकैंप, लालकोठी और प्रताप नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 193.05 स्मैक और 2 इलेक्ट्रोनिक कांटा और बिक्री की राशि 86,750 रुपए बरामद किया हैं डीसीपी (अपराध) परिस देशमुख ने बताया कि पकड़े गए आरोपी रामबाबू रुहेला राजपूत अकलेरा झालावाड़, फिरोज शिवाजी कॉलोनी वार्ड नम्बर 32 निवाई टोंक और आनन्द चौधरी प्रताप अपार्टमेंट प्रताप नगर का रहने वाला हैं। पुलिस ने पहली कार्रवाई सिंधी कैंप में करते हुए रामबाबू रुहेला को गिरफ्तार कर 49 ग्राम स्मैक बरामद की। आरोपी मादक पदार्थ स्मैक झालावाड अकलेरा निवासी हेमराज से लेकर आया था। आरोपी जयपुर शहर में फिरोज को सप्लाई करता हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि तीन हजार रुपए प्रतिग्राम के हिसाब से वह खरीदकर उसे छह हजार रुपए प्रति ग्राम के हिसाब से बेच रहा था। आरोपी रामबाबू के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में एक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी ने फिरोज को 50 ग्राम स्मैक सप्लाई करना बताया। दूसरी कार्रवाई लालकोठी में करते हुए फिरोज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 46.05 ग्राम स्मैक और एक इलेक्ट्रोनिक कांटा बरामद किया हैं। आरोपी पत्रकारिता की आड़ में मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करता है। आरोपी के पास से जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ जार का परिचय पत्र मिला है। तीसरी कार्रवाई में आनन्द चौधरी को 98 ग्राम स्मैक, एक इलेक्ट्रोनिक कांटा और बिक्री की राशि 86,075 रुपए बरामद किया हैं। आरोपी प्रताप नगर के आस-पास स्थित शिक्षण संस्थानों और हॉस्टलों में निवास करने वाले नवयुवकों को मादक पदार्थ स्मैक बेचता हैं।

वक्फ संपत्ति संरक्षण विंग, राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। वक्फ संपत्ति संरक्षण विंग, राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई, इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब शकील अहमद, राष्ट्रीय महामंत्री जनाब रहीस अहमद कुरैशी, प्रदेश महामंत्री डॉ. शब्बीर खान व प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त सदस्य मौजूद रहे. इस मीटिंग में सभी सदस्यों ने अपने सुझाव रखें व कार्यकारिणी की सभा को सफल बनाया मुख्य रूप से राजस्थान वक्फ बोर्ड की कार्यनीति की चर्चा की गई जिसमें वक्फ बोर्ड द्वारा वक्फ संपत्तियों की अनदेखी व बढ़ते अतिक्रमण व पुरानी कमेटीयों को ना बदलना मुख्य विषय रहा. अब वक्फ संपत्ति संरक्षण विंग द्वारा इन मुद्दों को वक्फ बोर्ड के समक्ष जोर - शोर से उठाने व ठोस कार्यवाही करने की रूप रेखा तैयार की गयी.आगामी 20 तारीख से समस्त प्रदेश में वक्फ संपत्ति संरक्षण विंग द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जायेगा व 10 लाख सदस्य / कार्यकर्त्ता जोड़े जायेंगे। इस मीटिंग में प्रदेश उपाध्यक्ष मुश्ताक अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष अनवर खान, संगठन मंत्री पप्पू भाई लखेरा, संगठन मंत्री मोहम्मद शकील, प्रदेश मंत्री अब्दुल रईस कुरैशी, सहायक मिडिया प्रभारी मोहम्मद नफीस मनिहार , कार्यालय मंत्री मोहम्मद असलम खान, सदस्य जूल्फीकार रहमानी, व जयपुर शहर जिला अध्यक्ष वहीद खान मौजूद रहे।

अरिहंत वाटिका के निवासियों को मिला पट्टा

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत जेडीए के जोन 7 के उपायुक्त रामरतन शर्मा के सानिध्य में चित्रकूट स्टेडियम में लगाए गए शिविर के दौरान आमजन को अधिक से अधिक पट्टे जारी किए गए। शिविर के सफल संचालन और अधिक से अधिक लोगों के पट्टे जारी करने के लिए इस शिविर को दो दिन के लिए बढा दिया गया है, जिससे आमजन को राहत मिल सके। इससे अब शहर के विभिन्न इलाकों में रहने वाले लोगों को निगम मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़े और शिविर में उन्हें पट्टा मिल सकें। शिविर के दिन संबंधित व्यक्ति से समस्त दस्तावेजों के साथ ही आवेदन लेकर शिविर में ही पट्टा देने का प्रयास किया गया। उल्लेखनीय है कि लम्बे समय से पट्टो की आस लगाए बैठे अरिहंत वाटिका के लोग मकान के पट्टे लेने के बाद से ही प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं। वहीं जोन 7 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अरिहंत वाटिका के लोगों ने हार्दिक आभार जताया है।

पिंडवाड़ा की प्यास बुझाने वाला कादंबरी बांध में 9 फीट हुआ पानी, कुल बांध की ओवरफ्लो क्षमता 22 फीट

कल सुबह से मूसलाधार बारिश होने से नगर का गोगाजी तालाब लबालब

❐ मरूधर आवाज

पिंडवाड़ा। सिरोही जिले में मंगलवार सुबह से मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ जो कि मंगलवार दोपहर तक चला। मौसम में करवट बनी रही कभी रिमझिम बारिश तो कभी तेज मूसलाधार जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र में सुबह से हो रही बारिश से पिंडवाड़ा नगर वासियों की प्यास बुझाने वाले पिंडवाड़ा के समीप कांटल स्थित कादंबरी बांध में 3 फीट पानी की आवक लगभग 5 घंटों में हुई वहीं अरावली की पहाड़ियों से लगातार पानी की आवक जारी है। कुल 22 फीट क्षमता वाले कादंबरी बांध में अब तक 9 फीट कुल पानी आ चुका है। यह आंकड़ा मंगलवार दोपहर 2 बजे रिकॉर्ड किया गया। वहीं बांध में अरावली पहाड़ी का पानी निरंतर आना शुरू है वही आसपास के छोटे बड़े तालाबों में भी पानी की आवक अच्छी हुई है कुछ उपखंड क्षेत्र के बांध और तालाब ओवरफ्लो भी हो गए। इस वर्ष अच्छा मानसून होने के कारण सभी लोग खुश है। वहीं श्रावण मास बैठते ही बारिश की अच्छी शुरुआत होने से भगवान शिव की भी महिमा लोग मान रहे है जिससे शिव भक्तों का शिव मंदिरों में लगातार आना जाना जारी है।

राजकीय महाविद्यालय पिण्डवाड़ा में सहायक आचार्य हेतु आवेदन आमंत्रित

❐ मरूधर आवाज

पिण्डवाड़ा। पिंडवाड़ा के राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य बाबू लाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा सत्र 2022-23 के लिए विद्या संबल योजना के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय पिण्डवाडा में सहायक आचार्य के पद पर गेस्ट फैकल्टी की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। कार्यवाहक प्राचार्य बाबू लाल मीना ने बताया कि अर्थशास्त्र, इतिहास, संस्कृत व लोक प्रशासन विषयों में सहायक आचार्य गेस्ट फैकल्टी के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 27 जुलाई शाम पांच बजे तक व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा अपने आवेदन व आवश्यक दस्तावेज भेज सकते है । आवेदन पत्र, शपथ पत्र, आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर की वेबसाइट पर विजिट कर सकते है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में भी कार्यालय समय में संपर्क कर सकते है ।

अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई

देवली। मंगलवार को स्थानीय पुलिस की गठित टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंच कर अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई में पुलिस ने चार ट्रैक्टर ट्रॉलीयो को जप्त किया। जिन्हें पुलिस अपने साथ थाने ले आई । थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद ने जानकारी में बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश मिलने पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीम घटित की गई । जिला पुलिस अधीक्षक से मिले निर्देश की पालना में थाना अधिकारी ने उक्त गठित टीमों को अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए आदेश दिए। मंगलवार को पुलिस की गठित टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंच कर। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन किए जाने वाले ट्रैक्टरों पर निगरानी शुरू कर दी।

पुलिस थाना बगरू एवं डी. एस. टी. जयपुर पश्चिम द्वारा देशी शराब की अवैध सप्लाई करने वाले के खिलाफ कार्यवाही

1.50 लाख कीमत की 60 अवैध शराब की पेटी की जप्त, एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया की जयपुर में अवैध शराब की बिक्री व सप्लाई की रोकथाम हेतु श्रामसिंह शेखावत, अति. पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) व देवेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त (बगरू) जयपुर पश्चिम के निर्देशन में भूपेन्द्र सिंह, पु.नि. प्रभारी, जिला विशेष टीम जयपुर (पश्चिम) व विक्रम सिंह चारण, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस सुपरविजन में डी.एस.टी. टीम के हैडकानि नरेन्द्र सिंह, मनेन्द्र सिंह, राजेन्द्र, रामेश्वर लाल, प्रवीण, भरत सिंह, लालसिंह, भाग्यवर्धन, दिनेश शर्मा, तकनीकी सहायक साईबर सैल, जयपुर पश्चिम एवं पुलिस थाना बगरू से मदन गोपाल सउनि कानि सर्वश्री नानग राम, रामेश्वर लाल एवं मुकेश सरकारी वाहन बोलेरो व चालक हरिनारायण की टीम गठित कर ईलाका थाना बगरू में प्राप्त आसूचना के आधार पर देवलिया कट, एन. एच. 08, अजमेर रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान एक कार हुंडई वरना नं. RJ20CC2625 दिखाई दी, जिसे रोक कर चैक किया गया तो एक व्यक्ति देवराज सिंह द्वारा पीछे की सीट पर व कार की डिक्की में खाकी रंग का कार्टून्स में 60 पेटियां देशी शराब अवैध रूप से सप्लाई करने पर मौके पर ही जब्त किया गया। अवैध रूप से शराब की सप्लाई करने वाले देवराज सिंह पुत्र श्री दुर्गा सिंह, जाति राजपूत, उम्र 33 साल निवासी ग्राम दाबडिया थाना गच्छीपुरा जिला नागौर हाल बिल्डिंग नं.18 फ्लेट सं. एफ 1 गोविन्द सरोवर कॉलोनी, मंगलम सिटी, जयपुर को मौके पर गिरफ्तार किया गया। देवराज सिंह के खिलाफ पुलिस थाना बगरू जिला जयपुर पश्चिम पर अभियोग सं. 366 / 22, धारा 19 / 54 54 (ए) आबकारी अधिनियम में दर्ज किया गया है। उक्त अभियुक्त पूर्व में दर्ज प्रकरण 98 / 20, धारा 420, 120 बी भा.द.सं. एवं 19 / 54 आबकारी अधिनियम, पुलिस थाना बगरू, जयपुर पश्चिम में वांछित चल रहा है अभियुक्त प्रकरण हाजा मे पुछताछ की जा रही है।

मंजू राठौड़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग की संभाग स्तरीय उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की सदस्या नियुक्त

विद्युत आयोग विद्युत उपभोक्ताओं के हितो की रक्षा का सशक्त माध्यमः मंजू राठौड़, सदस्या

❐ मरूधर आवाज

जयपुर/जोधपुर (श्रीराम इंदौरिया)। राजस्थान राज्य राज्य विद्युत विनियामक आयोग, राजस्थान द्वारा आरईआरसी (उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, विद्युत लोकपाल और उपभोक्ता वकालत) विनियम, 2021 के अंतर्गत श्रीमती मंजू राठौड़ को जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की संभाग स्तरीय उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की स्वतन्त्र सदस्या नियुक्त किया गया हैं। इस सम्बन्ध में आयोग के सचिव आईएएस डॉ.राजेश शर्मा द्वारा श्रीमती राठौ? की नियुक्ती के आदेश जारी किए गए हैं। गौरतलब है की श्रीमती मंजू राठौ? पूर्व में भी जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग पाली एवं जालोर में आयोग की सदस्या के पद पर 10 वर्षो तक अपनी सेंवाए दे चुकी हैं एवं पिछले कई वर्षो के सामाजिक सेवाओ और उपभोक्ता कल्याण से जुडी गतिविधियों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर नवनियुक्त सदस्या श्रीमती मंजू राठौ? ने कहा की विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर व नियमों के अनुसार उपभोक्ता की समस्या का निवारण किया जाता हैं। विद्युत अधिनियम के अन्तर्गत उपभोक्ता शि?ायत निवारण फोरम एवं विद्युत लोकपाल एवं उपभोक्ता एडवोकेसी रेगुलेशन 2021 लागू किया गया है। इसी के अन्तर्गत राजस्थान की तीनों विद्युत वितरण कंपनियो मे जोनल स्तर पर उपभोक्ता शि?ायत निवारण फोरम मे राजस्थान विद्युत नियामक आयोग द्वारा उपभोक्ता कानून एवं विद्युत कानूनों के अनुभवी और विशेषज्ञ स्वतंत्र सदस्यों की नियुक्तियां की जाती है। फोरम के गठन से प्रदेश में विद्युत से संबंधित शिकायतों के समाधान को लेकर अब आम उपभोक्ताओ और जनता का विधिक पक्ष मजबूती से रखा जा सकेगा। राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं को सम्भाग स्तर पर सम्भागीय मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में गठित उपभोक्ता शिकायत निवारण (कंजूमर ग्रिवेंस रिड्रेसल) फोरम में दर्ज प्रकरणों पर सुनवाई के समय विद्युत निगम के अधिकारियों के साथ ही स्वतंत्र सदस्य के भी होने से शीघ्र व उचित निवारण का भरोसा रहेगा। यही स्वतंत्र सदस्य विद्युत उपभोक्ताओं के पक्ष को फोरम में दर्ज प्रकरणों के शिघ्र निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे, साथ ही आम उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधित शिकायतों जैसे अव्यवस्थित विद्युत सप्लाई, बिजली की बिलों में ग?बरी, उपभोक्ताओं को विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली असंतोषप्रद सेवाए सहित 5 लाख तक की विद्युत सम्बन्धी विवादों के प्रकरणों की सुनवाई यह फोरम करेगा। विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर व नियमों के अनुसार उपभोक्ता की समस्या का निवारण किया जाता हैं ।

पिंडवाड़ा पुलिस ने गुजरात में रेड कर मानव तस्करी गैंग को पकड़ा

नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म करने व मानव तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

❐ मरूधर आवाज

पिंडवाड़ा/सिरोही। पिण्डवाड़ा पुलिस द्वारा मानव तस्करी जैसे मामले का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों कि गैंग को पकड़ कर गिरफ्तार किया है।

यह था पूरा मामला और पुलिस ने ऐसे किया मामले का पर्दाफाश

जानकारी के अनुसार तीनो आरोपी नाबालिग आदिवासी किशोरियों को मजदूरी के बहाने गुजरात ले जाकर शादी के बहाने बेचने का मामला सामने आया। पुलिस ने मामले में आरोपी एक महिला समेत कुल तीन जनों को पुलिस ने गुजरात में रेड मारकर गिरफ्तार किया है। सिरोही जिले के पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट देकर बताया था कि उसकी दो पुत्रियो को मजदूरी के बहाने दुष्कर्म करके दलालों के माध्यम से बेचने का सौदा किया गया था। जिसके चलते पिण्डवा?ा पुलिस ने तुरंत कार्यवाही शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच करते हुए पिंडवाड़ा वृताधिकारी जेठूसिंह करनोत ने गहनता से स्वयं ने गुजरात मे दबिश देकर एक महिला समेत तीन जनों को गुजरात से दबोचा और पुलिस ने नाबालिग कन्याओं को दलालों के चंगुल से मुक्त कराने में सफलता हासिल की। वृताधिकारी जेठू सिंह करणोत ने जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात के विलोदरा माणसा का एक दलाल विनुज उर्फ वनराज कोली ठाकोर आदिवासी क्षेत्र में ही रहकर मजदूरी के बहाने ढूंढता है और आदिवासी बालिकाओं को नौकरी दिलवाने का बहाना बनाकर नाबालिग किशोरियों को अपने चंगुल में ?ासता था पिण्डवा?ा पुलिस ने विनुज उर्फ वनराज कोली ठाकोर के साथ साथ महिला दलाल रमीला उर्फ रमी पत्नी दशरथ सिंह कोली ठाकोर मलिकपुर खेरालू तथा सिद्धपुर क्षेत्र के दलपत उर्फ गणपतिया रावल योगी को भी गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपियों नाबालिग का सौदा नहीं होने तक विनूज उर्फ वनराज लगातार उनसे दुष्कर्म करता था। सिरोही एसपी ममता गुप्ता और एएसपी देवेंद्र शर्मा के सुपरविजन में पिंडवाड़ा सीओ जेठूसिंह करनोत कार्रवाई को अंजाम दिया।

इस पुलिस टीम को मिली सफलता

आरपीएस जेठू सिंह करनोत हेड कांस्टेबल मोमराज हेड कांस्टेबल सुमन राठौड़ कांस्टेबल अमर सिंह , अभय गुर्जर , रवि कुमार , लोकेश कुमार , पकेश कुमार , भोमाराम , देवी सिंह , महिला कांस्टेबल वीनू पचार सहित टीम को कार्यवाही में सफलता मिली।

ग्राम पंचायत दडावट के विकास कार्य हेतु राजस्थान के राजस्व मंत्री रामलाल जाट, पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा, खेल मंत्री अशोक चांदना से मिला दंडावट ग्राम का प्रतिनिधिमंडल

आसींद से मुकेश रेगर की रिपोर्ट

मंगलवार 19 जुलाई को दडावट से कार्यवाहक डेयरी चेयरमैन एवं सरपंच प्रतिनिधि निंबाराम गुर्जर प्रतापपुरा डेयरी व्यवस्थापक नानू राम कुमावत पूर्व वार्ड पंच वर्दी चंद कुमावत अन्य मय टीम के पंचायत के विकास हेतु सिविल लाइंस जयपुर मैं मंत्री निवास पहुंचे कर राजस्थान के राजस्व मंत्री रामलाल जाट पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा खेल मंत्री अशोक चांदना निवास पर मुलाकात कर पंचायत के विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की इसी के साथ पंचायत राज मंत्री से पंचायत के विकास कार्यों को लेकर चर्चाएं की तथा 16 मांह से अधिक होने पर भी मेट व मटेरियल का भुगतान नहीं हो रहा है तथा विकास कार्य बाधित हो रहा है सरकार द्वारा पंचायतों के विकास में फंड की कमी होने से कार्य अधूरे पड़े हैं तथा खेल मंत्री अशोक चांदना से मिले एवं ग्राम पंचायत दडावट में खेल स्टेडियम बनाने के लिए विस्तृत चर्चा कर मांग की स्थानीय ग्राम पंचायत मैं जो स्टेडियम बनेगा जिससे आसींद ब्लॉक वह आसपास के ग्रामीण युवाओं को सभी खेल प्रेमियों को उत्साह वर्धन एवं खेल को बढ़ावा मिलेगा तथा राजस्थान के तीनों मंत्रियों ने टीम को पूर्ण आश्वस्त किया कि आपके क्षेत्र में विकास के लिए किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आएगी वह विकास के सभी कार्य पूर्ण किए जाएंगे विकास से संबंधित कार्य नरेगा स्वच्छ भारत मिशन खेल स्टेडियम इत्यादि को जल्दी से जल्दी पूरा किए जाने का आश्वासन मंत्रियों द्वारा दिया गया।

जिला मुख्यालय स्थित 16 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी रीट परीक्षा

जालोर। जिला मुख्यालय पर 23 एवं 24 जुलाई को प्रतिदिन दो पारियों में राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए 16 परीक्षा केन्द्र स्थापित किये गये हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि 23 जुलाई को प्रथम पारी में रीट लेवल-1 एवं द्वितीय पारी में रीट लेवल-2 के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा का आयोजन किया जाएगा वही 24 जुलाई को दोनों पारियों में रीट लेवल-2 के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के आयोजन के समय सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न पत्र के वितरण से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सम्पूर्ण वीडियोग्राफी की जाएगी साथ ही जिला मुख्यालय पर इसके लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों, वीक्षकों एवं कार्मिकों को गहन जांच के उपरान्त ही प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी कार्मिक को बिना परिचय-पत्र के परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला कलक्टर ने हरी झण्डी दिखाकर मशाल यात्रा रथ को किया रवाना

मशाल यात्रा राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक खेलों के लिए करेंगी जागरूक

❐ मरूधर आवाज

जालोर। जिला मुख्यालय के शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम में मंगलवार को प्रात: 9 बजे जिला कलक्टर निशांत जैन ने मशाल यात्रा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 29 मई 2022 को राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक खेलों की मशाल यात्रा की शुभारम्भ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम से किया गया था। मशाल यात्रा द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक खेलों के लिए आमजन को जागरूक करने के साथ ही प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन 29 अगस्त से 2 अक्टूबर तक ग्राम पंचायत, ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर किया जायेगा जिसके लिए मशाल यात्रा 19 व 20 जुलाई को जिले के सभी ब्लॉकों में भ्रमण कर आमजन को जागरूक करेंगी।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय प्रतीकों पर निरर्थक विवाद

किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक प्रतीकों का विशेष महत्व होता है। वे जनसामान्य की आस्था एवं श्रद्धा के केंद्रबिंदु तो होते ही हैं, सामूहिक पहचान एवं राष्ट्रीय अस्मिता के भी परिचायक होते हैं। लोक-स्मृतियां एवं परंपराएं इन्हें सहेजकर चलती हैं और पीढ़ि?यां इनसे प्रेरित-अनुप्राणित होती हैं। ये प्रकारांतर से संस्कारों को सींचने और जीवन-मूल्यों को विकसित करने का माध्यम बनते हैं। हमारी जीवन-यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर प्रस्थान करती है। कदाचित इसीलिए भारतीय संस्कृति में दीपक का विशेष महत्व है और अपने किसी भी शैक्षिक-सांस्कृतिक आयोजन का शुभारंग हम दीप-प्रज्वलन से करते रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने यहां दीप-प्रज्वलन तक का विरोध किया जाने लगा है। क्या धरती, आकाश, सूर्य, चंद्रमा, नदी, पर्वत, जल और प्रकाश जैसे प्राकृतिक उपादानों का भी भला कोई पंथ या मजहब हो सकता है? इनका तो अपना अस्तित्व होता है, अपनी उपादेयता होती है। हां, विभिन्न सभ्यताओं द्वारा इन्हें देखने का एक भिन्न एवं विशेष दृष्टिकोण अवश्य होता है। जीवन और जगत को देखने का हम भारतीयों का अपना भिन्न एवं विशेष दृष्टिकोण है। उसे ही बृहत्तर परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति कहकर संबोधित किया जाता है। इन दिनों भारतीय संस्कृति में मान्य एवं प्रचलित ऐसे तमाम प्रतीकों को लांछित या अपमानित करने का चलन सा चल पड़ा है। इसीलिए कभी सरस्वती पूजा, कभी गणेश-वंदना, कभी विद्यालयों में होने वाली प्रातः वंदना, कभी राष्ट्रगान, कभी राष्ट्रगीत, कभी राष्ट्रीय ध्वज तो कभी अशोक-स्तंभ जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को लेकर भी अनावश्यक विवाद पैदा किया जाता है। राष्ट्रीय प्रतीक या युगों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपरा को मजहबी चश्मे से देखना न तो न्यायसंगत है, न ही विवेकसम्मत। कई बार ऐसे भी दृष्टांत सामने आए हैं कि किसी आयोजन के उपलक्ष्य पर बनाई जाने वाली रंगोली, उकेरे गए मांगलिक चिह्न या नारियल फोड़ने पर भी निरर्थक विवाद खड़े किए जाते हैं। यहां तक कि भारत माता की जय बोलने पर भी आपत्ति होती है। जबकि यह सहज स्वीकार्य सिद्धांत होना चाहिए कि मत-मजहब बदलने से पुरखे और संस्कृति नहीं बदलती। राष्ट्रीय प्रतीक हमारे सांस्कृतिक जीवन के अभिन्न अंग हैं, न कि धार्मिक जीवन के। इनका संबंध पंथ विशेष की पूजा-पद्धति या मान्यताओं से न होकर राष्ट्र की परंपराओं एवं संस्कृति से है, जीवन और जगत को देखने के चिरंतन दृष्टिकोण से है। इंडोनेशिया का उदाहरण हमारे सामने है। सर्वाधिक जनसंख्या वाला मुस्लिम देश होने के बावजूद इंडोनेशिया ने अपनी संस्कृति नहीं बदली। उसकी विमान-सेवा का प्रतीक-चिह्न गरुड़ है। रामायण और रामलीला वहां अत्यंत लोकप्रिय हैं। एक इस्लामिक देश में यदि यह सब संभव है तो भारत में ऐसे ही प्रतीकों पर अनावश्यक विवाद क्यों? कुछ समय पहले जब बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने सार्थक पहल करते हुए यह निर्णय लिया कि सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान और अंत राष्ट्रगीत से किया जाएगा, तो इस पर भी एआइएमआइएम के विधायकों को आपत्ति थी। न केवल आपत्ति थी, बल्कि उन्होंने शीतकालीन एवं बजट सत्र के समापन पर राष्ट्रगीत गाने से मना कर दिया। सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क भी राष्ट्रगीत का सार्वजनिक बहिष्कार एवं अपमान कर चुके हैं, जबकि स्वतंत्रता के लिए किए गए विभिन्न आंदोलनों में वंदे मातरम् गीत की महती भूमिका थी।

वंदे मातरम् एवं भारत माता की जय बोलने से नाक-भौं सिकोड़ने वाले नेताओं एवं कथित पंथनिरपेक्षतावादियों को सदैव स्मरण रखना चाहिए कि इन्हीं ध्येय-वाक्यों ने हजारों युवाओं के भीतर मातृभूमि के लिए प्राणोत्सर्ग की प्रेरणा जगाई थी। हद तो तब हो गई जब 2019 में मध्य प्रदेश के विनायक शाह द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर देश भर के केंद्रीय विद्यालयों की वंदना-सभा में प्रतिदिन गाए जाने वाले श्लोकों असतो मा सद्गमय... और ऊं सहना भवतु... पर अविलंब रोक लगाने की मांग की गई, जबकि इनमें ऐसे शाश्वत एवं सार्वभौमिक मूल्य हैं, जो प्रत्येक व्यक्ति एवं संपूर्ण मनुष्यता के लिए उपयोगी हैं। इनके मूल या स्रोत के आधार पर इन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या अल्पसंख्यक अधिकारों का हनन बताना निरी मूढ़ता है। वह सब कुछ, जो संस्कृत में है, वह प्रकृति में भी पांथिक (रिलीजियस) हो, यह धारणा ही एकांगी एवं निराधार है। लगभग सभी शैक्षिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय संस्थाओं के ध्येय-वाक्य संस्कृत में ही लिखे होते हैं। क्या केवल इसी आधार पर इन संस्थाओं को गैर-पंथनिरपेक्ष ठहराया-बताया जा सकता है? इस आधार पर तो कल को कोई यह भी दावा कर सकता है कि आनेस्टी इज द बेस्ट पालिसी का सूत्र-वाक्य चूंकि अंग्रेजी में है, इसलिए यह ईसाइयत को आगे बढ़ाता है। क्या यह उचित होगा? अशोक स्तंभ के अनावरण-अनुष्ठान के सुअवसर पर सबसे पहला मंत्र ऊं वसुंधराय विद्महे भूतधत्राय धीमहि तन्नो भूमिः प्रचोदयात् बोला गया। अब जो पृथ्वी सबका भरण-पोषण करती है, उससे आशीर्वाद की कामना भी क्या संकीर्ण, अनुदार और सांप्रदायिक हो सकती है? वस्तुतः आवश्यकता इन प्रतीकों के पीछे की मूल भावना को समझने की है, न कि अन्यान्य कारणों से मीन-मेख निकालने या निरर्थक विवाद पैदा करने की। सच तो यह है कि राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक प्रतीकों पर छेड़ी गई निरर्थक एवं निराधार बहस अंततः राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को कमजोर करती है और सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाती है।

खाद्यान्न उपज पर ग्लोबल वार्मिंग का असर

प्रकाश श्रीवास्तव

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई में सरकारों की विफलता का विरोध करती एक फोटो ने दुनिया का ध्यान इस भयावाहता की ओर खींचा है। दरअसल, जर्मनी की राजधानी बर्लिन में पर्यावरण से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों को गोंद से सड़क पर चिपका लिया। 'अपराइजिंग ऑफ द लास्ट जेनरेशन' समूह से जुड़े कार्यकर्ताओं का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के विनाशकारी स्तर से बचने के लिए अब केवल कुछ ही साल बचे हैं। इसके पहले कार्यकर्ताओं ने लंदन स्थित रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स में भी पेंटिंग फ्रेम से खुद को चिपका लिया था। यह स्पष्ट करने की जरूरत नहीं है कि जलवायु और समाज दोनों में आज इतनी तीव्र गति से बदलाव आ रहा है कि इसे बेहतर बनाने के परम्परागत शैली काम नहीं कर पा रही है। वजह सीधी सी है-आमतौर पर किसी भी परियोजना की योजना बनाने और उसे लागू करने में काफी वर्ष लग जाते हैं और इस अवधि में जलवायु परिवर्तन का मिजाज और समाज नया आकार ले चुका होता है। पर्यावरण क्षेत्र में जमीनी हकीकत नाटकीय रूप ले चुकी होती है। ग्लोबल वार्मिंग का परिणाम पूरी दुनिया में असामान्य तरीके से उभरकर सामने आया है। हमारी धरती पारिस्थितिक आपातकाल के दौर से गुजर रही है। हमने झुलसा देने वाली गर्मी, सूखा, वनों में आग और रिकॉर्ड बारिश का अनुभव करना शुरू कर दिया है। साल 2022 न केवल अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है, बल्कि इससे दुनिया भर में मौसम का मिजाज, वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से खतरा बनकर उभरा है। भोजन तो सभी की सबसे मौलिक आवश्यकता है।

खाद्य उपज घट जाए तो इंसान खाएगा क्या? अकेले 2022 में, सूखे और गर्मी ने दक्षिण एशिया से लेकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इन क्षेत्रों में तापमान असामान्य रूप से काफी उच्चस्तर पर दर्ज किया गया है। फसल उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। पंजाब में गेहूं की पैदावार में 20 फीसदी की गिरावट आई है, जो पिछले दशक में सबसे ज्यादा गिरावट है। इस साल पाकिस्तान में आम का उत्पादन औसतन 50 फीसदी तक कम होने की संभावना है। उत्तरी अफ्रीका में गर्मी की लपटें और जंगल की आग फसलों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रही हैं। ट्यूनीशिया में अनाज उत्पादन किसानों की उम्मीद से काफी कम रहने की आशंका है। इसी तरह, व्यापक सूखे से अमेरिका में पैदावार प्रभावित हुई है। फलते-फूलते खेतों को टिड्डी दल ने नष्ट कर दिया है। इटली में नदियां सूखने की कगार पर हैं। सबसे सघन खेती वाले क्षेत्रों में सिंचाई खतरे में है। सूखे से फसल उत्पादन में एक-तिहाई तक की कमी आने खतरा है। इटली में लगभग 125 नगर पालिकाओं ने पीने के पानी की राशनिंग शुरू कर दी है। अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के खतरनाक रुझान देखे जा रहे हैं।

> **अफसोस की बात तो है कि सरकारें और दुनिया भर के परिदृश्य इस मुद्दे पर या तो चिंतित नहीं है या हम पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों को स्वीकार नहीं करना चाहती हैं। सरकारों और राजनेताओं को हकीकत को स्वीकार करना चाहिए।**

भारत के पड़ोसी देश चीन की बात करें तो वहां के दक्षिणी प्रांत रिकॉर्ड बारिश की समस्या से जूझ रहे हैं तो उत्तर में असामान्य रूप से उच्च तापमान है। मकई और सोयाबीन के उत्पादन में कमी का खतरा गहरा गया है। बांग्लादेश में भी, जून में बेमौसम बाढ़ से एकलाख हेक्टेयर से ज्यादा में तैयार धान की फसलें खेतों में गिर गईं। बांग्लादेश में बाढ़ से इतना बुरा हाल रहा कि 60 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। मदद के लिए सेना बुलानी पड़ी। अक्टूबर 2021 में नेपाल में भी इसी तरह की आपदा आई थी। वैश्विक खाद्य उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के कहर, यूक्रेन-रूस युद्ध से खाद्य पदार्थों की कमी ने कीमतों में बढ़ोतरी और आयातित उर्वरकों पर निर्भर देशों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तो पहला सवाल उठता है कि हमें करें क्या? पहली बात तो यह कि हम उस जगह तक अपना हाथ पहुंचाने में असफल रहे हैं जहां जरूरत है। आए दिन की राजनीतिक तकरार, अनिर्णायक नेतृत्व, अस्थिर नीतियों और निष्प्रभावी प्रशासन ने कई समस्याओं को हल करने में हमारी क्षमताओं को कमजोर किया है। फर्टीलाइजरकी कमी से धान की रोपाई में कमी का असर देखने को मिल रहा है। हमने हमेशा ही खुद को इस छलावे में रखा कि यदि घरेलू उत्पादन मांग को पूरा करने में विफल रहता है तो हम सीमा पार से अधिक खाद्यान्न खरीदने की उम्मीद कर सकते हैं। खाद्यान्न की कमी को हमेशा ही गंभीरता से नहीं लिया गया है। वर्तमान की वैश्विक स्थिति खाद्यान्न पर गहरा असर जाल सकती है। यूक्रेन युद्ध ने पहले ही खाने की थाली महंगी कर दी है। उत्पादन गिरने के कारण खाद्य निर्यातक देशों ने निर्यात बंद कर दिया है। यह भी कोई नहीं जानता कि मौसमी घटनाओं से कब/कब फसलों को राहत मिलेगी। स्थिति इतनी भयावह है कि हमने इस साल मुश्किल से ही वसंत का अनुभव किया। ठंडी शीतलहरी के बाद असामान्य रूप से गर्मी ने अपना अहसास कर दिया। आमतौर पर, मानसून की शुरुआत के साथ तापमान में गिरावट आनी शुरू हो जाती है, लेकिन इस साल जून और जुलाई में मानसून के दौरान भी गर्मी और उमस का दौर है। अफसोस की बात तो है कि सरकारें और दुनिया भर के परिदृश्य इस मुद्दे पर या तो चिंतित नहीं है या हम पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों को स्वीकार नहीं करना चाहती हैं। सरकारों और राजनेताओं को हकीकत को स्वीकार करना चाहिए। देखना होगा कि हम इसका प्रबंधन कैसे करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बदलती वास्तविकताओं और बदले हुए संदर्भ में सरकारों को भी जलवायु प्रभावों को दूर करने की दिशा में काम करने के लिए अपनी विकास रणनीतियों, संस्थागत परिदृश्य और कार्यप्रणाली की समीक्षा तथा -कल नहीं, परसों के लिए योजनाएं बनानी चाहिए। ऐसा करने में विफल रहने का केवल एकही मतलब होगा-अधिक लोगों को गरीबी की ओर धकेलना। वैश्विक खाद्य संकट नेपाल, श्रीलंका जैसे देशों को सीधे प्रभावित करेगा, जो अपनी खाद्य सुरक्षा के लिए आयातित भोजन पर काफी हद तक निर्भर हैं।

प्रशासन और विकास

डा.सत्यनारायण सिंह
आई.ए.एस.(आर.)

सुशासन प्रत्येक सरकार के एजेंड़े में सबसे ऊपर होना आवश्यक है। देश में प्रत्येक व्यक्ति सुशासन की आवश्यकता महसूस कर रहा है। सरकारी तंत्र विकास से जुडी योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान ही आम आदमी से रूबरू होता है। योजनाओं के सही क्रियान्वयन से ही हम गरीबी दूर कर सामाजिक न्याय के लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं और आर्थक विकास की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। सरकारी योजनाओं का फायदा आम आदमी तक पहुँचे, इसके लिए एक कारगर, प्रभावी जवाब देह और पारदर्शी व्यवस्था होना जरूरी है। इसलिए नौकरशाही को चुस्त दुरूस्त बनाये रखना उसका नियंत्रण व पुनर्गठन सरकार के ऐजेन्डे का प्रमुख हिस्सा होता है। योजनाओं के क्रियान्वयन से जुडे अधिकारियों व कर्मचारियों को जवाब देह बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर पुनर्गठन कर ऐसी व्यवस्था बनाने की जरूरत महसूस हो रही है जहां हर काम की जिम्मेदारी सुनिश्चित हो तथा जो आम लोगों के प्रति संवेदनशील हो।

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के संवैधानिक संरक्षण का समर्थन किया ताकि यह जनता के फायदे के लिए एक स्वतंत्र पक्षधर के रूप में अपना काम करने में सक्षम हो सके और राजनैतिक लोगों के द्वारा सत्ता के दुरूपयोग पर रोक लग सके। आजादी के पश्चात राजनीतिक व्यवस्था तथा लोक सेवा ने हमें उत्कृष्ट लोग दिये। उन्होंने हरित क्रांतियों की परिकल्पना की और उन्हें क्रियान्वित किया, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं साक्षरता विज्ञान व निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान किया। उन्होंने दलितों व जनजातियों की रक्षा की। वित्त व्यवस्था की नवीन अवधारणायें विकसित कीं। वैज्ञानिक और कृषि सम्बन्धी शोधों व वैश्विक कार्यक्रमों को तैयार किया। बहु धार्मिक और बहु-जातिय समाज की अवधारणा व विरासत, जनतांत्रिक और सम्मिलनकारी आधार को मजबूत किया । मानवाधिकारों खासकर समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों की रक्षा करने, धर्म निरपेक्षता, कानून द्वारा समान संरक्षण, समावेशी अर्थ व्यवस्था, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी विकास की प्राथमिक एजेंसी नौकरशाही है। भारत के संस्थापकों की संकल्पना के अनुरूप प्रतिबद्धता, वंचितों के प्रति सहानुभूति, नीतियों के प्रति व्यवस्थागत समर्थन, प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अपेक्षित गुणों में सम्मिलित है। प्रशासन को लेकर आम तौर पर असंतोष है। ज्ञात अवरोधों व समाधानों के बारे में चर्चा भी होती है। परन्तु सुगठित प्रयास का अभाव है व सुशासन की चर्चा विचारों की बंद गली में ही रह जती है। लोक सेवा तथा विधिवत सुधार को पिछली सीट पर रख दिया जाता है। नीतियों का क्रियान्वयन महज प्रशासनिक कार्यवाही नहीं है। लोक सेवा की विशिष्ट प्रतिभाओं को बड़ी भूमिका देने के लिए सुधारों की जरूरत तो अवश्य पड़ेगी। प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने व निर्धारित नीतियों को सफलता पूर्वक लागू करने में जरूरी ज्ञान और विशेषज्ञता की आवश्यकता तो रहेगी ही। नीति निर्माण के लिए शीर्ष पर गहरे ज्ञान की अपेक्षा होती है, उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए स्पर्धा का दवाब बनाना अनिवार्य है। लोक सेवा के क्षेत्र में सुधार इस अर्थ में टुकड़ों में नहीं हो सकता कि यदा कदा किसी पद पर किसी विशेष व्यक्ति को नियुक्त कर दिया जाये। वरिष्ठ अधिकारियों का जनता के प्रति उत्तरदायित्व बढ़ाना आवश्यक है। अधिकारियों की आम शिकायत होती है कि राजनीतिज्ञ व विधायक जिले के मामलों में निरंतर हस्तक्षेप करते हैं लेकिन जनतंत्र में यह भी समझना होगा कि चुने हुए प्रतिनिधियों को प्रशासन के प्रति उत्तरदायी ठहराया जाता है। निश्चित रूप से प्रशासन में सुधार लाना आसान नहीं है, मजबूत इच्छा शक्ति वाले नेतृत्व के द्वारा ही परिवर्तन व सुधार लाए जा सकते है। बहुत से देशों में सिविल अधिकारीयों का चयन और पदोन्नति की प्रक्रिया में नये ज्ञान के साथ सुधार हुआ है। अब संवाद और सामान्यज्ञान उनके लिए मुख्य कसौटी नहीं है। उद्देश्य की भावना कायम रखने के साथ जनसेवा के मूल्यों की समझ व प्रतिबद्धता आवश्यक है। जरूरत है सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों की मानसिकता में परिवर्तन की। सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को अनियंत्रित, अरचनात्मक, तथ्यशील और प्रक्रिया से बंधे रहने वाला माना जाता है। सुशासन की चाबी उनकी मानसिकता बदलने में निहित है। नकारात्मक मानसिकता जटिल कार्य-संस्कृति का नतीजा है जिसे बदलने की आवश्यकता है। इनका प्रशिक्षण भी केवल नियम-विनियमों और प्रक्रिया तक ही सीमित रहा है। जबकि उन्हें विभिन्न कार्यों के सुचारू संचालन के लिए लगातार प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है। विकास के लक्ष्यों को हम तब तक पूरा नहीं कर सकते जब तक की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को हम मुहिम के तौर पर नहीं चलायें। भ्रष्टाचार और स्वच्छ प्रशासन या सुशासन व समावेशी विकास एक साथ नहीं चल सकते। भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरी व्यापारिक व सरकारी जगत में, चर्चा के दौरान, एजेंडे में सबसे ऊपर होती हैं। सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब माहौल भ्रष्टाचार मुक्त हो। जन संसाधनों का सुचारू व सही इस्तेमाल लोगों के हित में एक पारदर्शी व्यवस्था के तहत ही संभव है।

यादों में भूपेंदर सिंह

बोलिए सुरीली बोलियां, खट्टी-मीठी आंखों की रसीली

बोलियां

गायक भूपेंद्र सिंह नहीं रहे। उनका जाना एक स्पेस का छूट जाना है। दरअसल वे ऐसे बहुत थोड़े, मगर अमर गीतों में खुद की आवाज को हौले से दर्ज हैं। उनकी यही अप्रोच उनको बड़ा गायक बनाती है। बाकी, उनके उन्मुक्त गानों पर झूमने के भी कई बहाने बनते हैं।

एक आवाज, जो माइक्रोफोन से निकलकर अपने भारी एहसास में खरज भरती सी लगती थी। कहीं पहुंचने की बेचैनी से अलग,बाकायदा अपनी अलग सी राह बनाती हुई, जिसे खला में गुम होते हुए भी आरकेसट्रेशन के ढेरों सुरों के बीच दरार छोड़ देनी थी। ये भूपी थे.. सत्तर-अस्सी के दशक में ऐसे कई गीतों के सिरजनहार, जिन्होंने जब भी गाया, सुनने वाले को महसूस हुआ जैसे कुछ गले में अटका रह गया है।

एक कभी ना कही गई दु:ख की इबारत, जिसके सहारे जज़्बात की शाख पर गीतकारों ने कुछ फूल खिला दिए थे। याद कीजिए-

आज बिछड़े हैं कल का डर भी नहीं /

जिंदगी इतनी मुख्तसर भी नहीं..
(थोड़ी सी बेवफाई),

करोगे याद तो हर बात याद आएगी..(बाज़ार), एक अकेला इस शहर में (घरौंदा)फिर तेरी याद नए दीप जलाने आई .. (आई तेरी याद),

ज़िंदगी, जिंदगी मेरे घर आना..
(दूरियां)...फिर उनकी गले की तैयारी, हर उस गाने में भी अलग से सुनी जा सकती है, जहां उनके करने के लिए बहुत यादा नहीं था, उनकी छोटी सी मौजूदगी भी कहीं दर्ज रह जाती है मन में..जैसे एस. डी. बर्मन के संगीत में लता मंगेशकर के शाहकार गीत होठों पे ऐसी बात मैं दबा के चली आई (ज्वेल थीफ) में उनका ओ! शालू .. भर पुकारना, याकि मदन मोहन के लिए हकीकत में मो. रफ़ी, मन्ना डे और तलत महमूद जैसे दिग्गजों के संग होके मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा ..

भूपेंद्र सिंह ऐसे बहुत थोड़े, मगर अमर गीतों में खुद की आवाज को हौले से दर्ज होने देते हैं। उनकी यही अप्रोच उनको बड़ा गायक बनाती है। बाकी, उनके उन्मुक्त गानों पर झूमने के भी कई बहाने बनते हैं।

मिताली के संग के कुछ गीतों में आप उन दोनों को सुनिए -

राहों पे नज़र रखना/ होठों पे दुआ रखना/

आ जाए कोई शायद / दरवाज़ा खुला रखना..

वो दरवाज़ा खुला ही रहने वाला है।

भूपी भला अब कहां लौटने वाले हैं? हम बस उनकी यादों में उन गानों की प्लेलिस्ट में डूबते -उतराते रहेंगे, जो उनकी सोज़ भरी गायकी पीछे छोड़ गई है।

ऐसे ही कुछ और भी गाने हैं, जिन्हें बरबस गुनगुनाने का मन करता है। उसमें मेरा सर्वप्रिय गीत सितारा फ़िल्म का है...

थोड़ी सी जमी, थोड़ा आसमां, तिनकों का बस इक आशियां...

श्रीलंका की बदहाली में पूरी दुनिया के लिए छिपे हैं सबक

राजपक्षे परिवार राष्ट्रपति की शक्तियां निरंतर रूप से बढ़ाता रहा। इसके लिए 2020 में संविधान संशोधन तक किया गया। उन्होंने नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया। चीन से दोस्ती गांठ भरपूर लाभ उठाया। इतना कि अपने देश को ही कर्ज के जाल में फंसा दिया।

श्रीलंका की दुर्गति में उसके शासक ही मुख्य किरदार हैं। राजपक्षे परिवार के चार भाइयों और उनके बेटों ने शासन की पूरी कमान अपने हाथ में ले रखी थी। वे किसी पारिवारिक कारोबार की तरह सरकार चला रहे थे। खुद ही बड़ी-बड़ी परियोजनाओं से जुड़े रहे। इन अव्यावहारिक परियोजनाओं के लिए बेतहाशा कर्ज लिया। इसका नतीजा आर्थिक पतन के रूप में निकला। दो दशक तक राजनीतिक परिदृश्य पर वर्चस्व बनाए रखने वाले परिवार का रातोंरात बोरिया-बिस्तर बंध गया। ईंधन, खाद्य वस्तुओं, दवाओं और बिजली की किल्लत से श्रीलंकाई जनता इतनी आक्रोशित हो गई कि उसके अप्रत्याशित विरोध-प्रदर्शन ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को देश छोड़कर भागने पर विवश कर दिया। गत सप्ताह प्रदर्शनकारियों का राष्ट्रपति पैलेस पर कब्जा जनता की उस शक्ति का प्रतीक है, जिसने उस खानदान को खदेड़ दिया, जिसकी तानाशाही, भाई-भतीजावाद, विकृत पूंजीवाद और अक्खड़पन ने श्रीलंका को अंतहीन आर्थिक दुष्चक्र में फंसाकर घुटनों के बल ला दिया। राजपक्षे परिवार राष्ट्रपति की शक्तियां निरंतर रूप से बढ़ाता रहा। इसके लिए 2020 में संविधान संशोधन तक किया गया। उन्होंने नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया। चीन से दोस्ती गांठ भरपूर लाभ उठाया। इतना कि अपने देश को ही कर्ज के जाल में फंसा दिया। राजपक्षे परिवार की सत्ता का नाटकीय पतन दुनिया भर में उन राजनीतिक वंशवादियों के लिए चेतावनी है, जिनकी अपने देशों में सरकार या पार्टी पर वर्चस्व है, लेकिन जवाबदेही और सुशासन से कोई सरोकार नहीं। एशिया से लेकर लैटिन अमेरिका में ऐसे तमाम परिवारों की भरमार है, जिन्होंने सरकारों को पारिवारिक मामला और राजनीतिक दलों को पारिवारिक जागीर बना दिया। राजपक्षे परिवार की बात करें तो महिंदा राजपक्षे उसके राजनीतिक साम्राज्य के सूत्रधार रहे। एक दशक तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे और इस दौरान बहुत सख्ती से पेश आए। महिंदा 2015 का चुनाव मामूली अंतर से हार गए और परिवार को कुछ समय के लिए सत्ता से बेदखल होना पड़ा। इसी दौरान नई सरकार में संसद ने राष्ट्रपति के कार्यकाल को सीमित कर दिया। इसके चलते परिवार को महिंदा के छोटे भाई और उनकी सरकार में रक्षा मंत्री रहे गोटाबाया को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाना पड़ा। इस उम्मीदवारी की पात्रता प्राप्त करने के लिए गोटाबाया ने अपनी अमेरिकी नागरिकता भी छोड़ दी। 2019 में राष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद गोटाबाया ने महिंदा को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। महिंदा ने भी अपने दो बेटों, दो भाइयों और एक अन्य भाई के बेटे को सरकार में जगह दी। इस परिवार का यकायक हुआ अवसान इसलिए भी चौंकाने वाला है, क्योंकि राजपक्षे बंधुओं ने अपनी पहचान नस्लीय राष्ट्रवादी के रूप में बनाई थी। वे खुद को बहुसंख्यक सिंहली समुदाय के हितों का संरक्षक बताते थे। उन्होंने श्रीलंका में 26 साल से जारी गृहयुद्ध का निर्णायक, किंतु क्रूरतापूर्वक दमन किया। तब महिंदा राष्ट्रपति और गोटाबाया रक्षा मंत्री थे। उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध अपराधों को लेकर आलोचना के बावजूद दोनों सिंहलियों के नायक बनकर उभरे। महिंदा ने ही लिट्टे के खिलाफ अंतिम आक्रामक अभियान छेड़ा था। इस मुहिम में उन्हें गोटाबाया का पूरा समर्थन मिला। गोटाबाया इससे पहले कैलिफोर्निया में रह रहे थे, जहां उन पर कथित युद्ध अपराधों को लेकर मामले चले। उन्होंने श्रीलंका में उस गृहयुद्ध को तो समाप्त करा दिया, जिसके चलते हजारों लोग काल-कवलित हुए, लेकिन उसके दुष्प्रभाव भी हुए। हिंदू बहुसंख्यक तमिल समुदाय खुद को हाशिये पर महसूस करने लगा तो सिंहली और मुस्लिम समुदाय के बीच विभाजन की खाई और चौड़ी हो गई, जिनकी श्रीलंका की आबादी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इससे उपजे संघर्ष में वहां इस्लामिक आतंकवाद के बीज पड़ गए। इसका असर 2019 में ईस्टर पर हुए एक हमले में दिखा, जिसमें 277 लोग मारे गए। इसे दुनिया के दुर्दांत आतंकी हमलों में से एक गिना जाता है। उस आतंकी वारदात ने राजपक्षे परिवार को एक बार फिर सिंहली राष्ट्रवाद को भुनाने का अवसर प्रदान कर दिया। स्पष्ट है कि यह परिवार नस्लीय और धार्मिक विभाजक रेखाओं का लाभ उठाकर ही अपने राजनीतिक वर्चस्व की इबारत लिख रहा था। चीन ऐसे ही मोहरों की तलाश में रहता है। वह ऐसे ताकतवर नेताओं या परिवारों के साथ बढ़िया सौदेबाजी कर उस देश की कमजोरियों का लाभ अपने फायदे के लिए उठाता है। यहां तो उसके समक्ष दुनिया के सबसे व्यस्त सामुद्रिक मार्ग के करीब अपनी रणनीतिक पकड़ को गहरा बनाने का अवसर था। चीन ने राजपक्षे की कमजोरियों और महत्वाकांक्षाओं का इसी मकसद के लिए लाभ उठाया। चीन युद्ध अपराध के आरोप का सामना कर रहे राजपक्षे की संयुक्त राष्ट्र में ढाल बन गया।

जिला कलक्टर ने भीनमाल व सांचौर नगर पालिका क्षेत्र में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत शिविरों का किया औचक निरीक्षण

❒ मरूधर आवाज

भीनमाल सांचोर। जिला कलक्टर निशांत जैन ने प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत भीनमाल व सांचौर नगर पालिका क्षेत्र में आयोजित शिविरों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची। जिला कलक्टर निशांत जैन ने भीनमाल नगरपालिका क्षेत्र में वार्ड सं. 20 व 21 तथा सांचौर नगरपालिका क्षेत्र में वार्ड सं. 1 के लिए आयोजित शिविर का औचक निरीक्षण कर कैंप की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सर्वे सूची की जानकारी लेते हुए वार्ड में किये गये सर्वे की कमियों को दूर कर अधिक से अधिक वार्डवासियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार हैल्पडेस्कां का अवलोकन कर कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। शिविर के दौरान जिला कलक्टर ने उपस्थित लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए।

प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत भीनमाल में 69 ए के तहत 13 पट्टे, स्टेट ग्रान्ट के 17 व कृषि भूमि के 21 पट्टे तथा सांचौर में 21 पट्टे लाभार्थियों को वितरित किये गये। इस दौरान भीनमाल उपखण्ड अधिकारी जवाहरराम चौधरी, सांचौर उपखण्ड अधिकारी शैलेन्द्र सिंह चारण, भीनमाल नगरपालिका अध्यक्ष विमला बोहरा व सांचौर नगरपालिका अध्यक्ष रमेश सेठ, भीनमाल अधिशाषी अधिकारी आशुतोष आचार्य व सांचौर अधिशाषी अधिकारी हरिश्चन्द्र गहलोत सहित विभिन्न विभागों के कार्मिक व आमजन मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर 20 जुलाई को होगी मोर्चा ,प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक

❒ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। भाजपा जिला कार्यालय पर विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक 20 जुलाई को प्रात: 11बजे आयोजित की गई है संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली करेंगे एवं जिला संगठन प्रभारी रतनलाल गाडरी उपस्थित रहेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि आगामी आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक एजेंडे क्या रहेगे पर चर्चा होगी संगठन में विभिन्न 7- मोर्चे ,19- प्रकोष्ठ ,12 विभाग सक्रिय रूप से कार्यरत है मोर्चा प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक में मोर्चा जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री एवं प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं सह जिला संयोजक भाग लेंगे।

जिला सेवादल भीलवाड़ा द्वारा DRO का स्वागत किया गया

❒ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। आज दिनांक 19 जुलाई को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त डीआरओ श्रीमान अशोक सिंह जी एंव विनोद बंसल चेयरमैन व्यापार प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश का सर्किट हाउस मे जिला सेवादल भीलवाड़ा ने तस्वीर भैट की व फुल माला व सेवादल की टोपी पहनाकर स्वागत किया गया जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश व्यास जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भंवर लाल गर्ग जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव मोहम्मद हारुन रंगरेज पुर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रोशन लाल महात्मा जिला अध्यक्ष सेवादल योगेश सोनी जिला कमेटी सचिव ओमप्रकाश मल्होत्रा जिला सेवादल प्रवक्ता कुन्दन शर्मा शहर सेवादल अध्यक्ष भीलवाड़ा मुकेश नारायणी वाल जिला सेवादल सचिव नंदलाल वैष्णव उमेद सिंघवी रतनलाल पालडिंया रफीक पठान फौजी बाबू लाल माली आदि लोग उपस्थित थे साथ ही कांग्रेस संगठन के बारे में विस्तार से चर्चा की।

महेंद्र मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण साम्रगी वितरण किया

❒ मरूधर आवाज

बेंगलुरू। मंगलवार 19 जुलाई मला नाडु सौरभा ट्रस्ट बेंगलुरु एवं गुरु फाउंडेशन बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में चामराजपेट स्थित हिंदी समिति सभागार में आयोजित पांचवे वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई इस अवसर पर समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत को ट्रस्ट के सदस्यों ने सम्मानित किया।

शक्ति दिवस का हुआ आयोजनः एनसीसी छात्रों सहित राजकीय विद्यालय, सरकारी अस्पताल, आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयरन टेबलेट खिलाइ और एनीमिया की जांच की"

❒ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। जिले में अनीमिया की पहचान प्रारम्भिक अवस्था में कर अनीमिया की दर को कम किये जाने के लिए प्रत्येक मंगलवार को 'शक्ति दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है।'मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान ने बताया कि जिले में मंगलवार को सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों, स्कूलों तथा प्रत्येक आंगनबाडी केन्द्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों, महिलाओं व किशोरियों में अनीमिया की दर की कमी में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर स्वास्थ्य कर्मियों ने अनीमिया से होने वाले शारीरिक व मानसिक नुकसान की जानकारी दी गई और शरीर में खून की कमी नही हो, इसके लिए पौष्टिक व आयरन युक्त आहार के बारे में जागरूकता बढाकर व्यवहार परिवर्तन पर जोर दिया गया। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परिवार कल्याण डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि शक्ति दिवस पर एनीमिया की दर को कम करने के लिए बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें लक्षणों के आधार पर अनीमिया की स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबिन की जांच, उपचार, आयरन टेबलेट्स का वितरण किया गया। अभियान के दौरान आशाओं की ओर से छह माह से 59 माह तक के बच्चों को, पांच से नौ वर्ष तक के स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों को, 10 से 19 वर्ष की स्कूल नहीं जाने वाली समस्त किशोरी बालिकाओं को, 20 से 24 वर्ष की विवाहित महिलाओं को एवं गर्भवती महिलाओं को एवं धात्री माताओं को आंगनबाडी केन्द्र पर मोबिलाइज किया गया। राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक आयरन टेबलेट खिलाई गई। आशा की ओर से छह माह से 59 माह तक के बच्चों को एक एमएल आईएफए सिरप पिलाई गई और पांच से नौ वर्ष के स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों का आईएफए की गुलाबी गोली खिलाई गई, वहीं 10 से 19 वर्ष तक की स्कूल नहीं जाने वाली समस्त किशोरी बालिकाओं को आंगनबा?ी कार्यकर्ता की ओर से आईएफए की नीली गोली खिलाई गई। एनसीसी कमांडेंट श्री तेजेंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के एनसीसी कैंप में 500 से अधिक बच्चों को आयरन टेबलेट खिलाई। श्री शर्मा ने कहा कि आयरन टेबलेट प्रत्येक बच्चे को खिलाई जानी चाहिए जिससे कि उसे एनीमिया नहीं हो।

आठवीं तक के बच्चों को मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के तहत सप्ताह में दो दिन मिलेगा दूध

❒ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर प्रदेश में कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के तहत सप्ताह में दो दिन दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। इस संबंध में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शिल्पा सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टेऊट सभागार में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। साथ ही स्कूलों में दूध वितरण में आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा (मुख्यालय) श्री योगेश पारीक ने जानकारी देते हुए बताया कि मिड डे मिल योजनान्तर्गत राजकीय विद्यालयों, मदरसों, विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों में बच्चों को दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के लागू होने से कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार होने के साथ ही राजकीय विद्यालयों में नामाकंन एवं उपस्थिति में भी वृद्धि होगी और विद्यार्थियों का ड्रॉप आउट भी रूक सकेगा। इससे मिड डे मील की पोष्टिकता में भी सुधार होगा। योजना के तहत राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को पाउडर से तैयार दूध सप्ताह में मंगलवार व शुक्रवार को उपलब्ध करवाया जाएगा। इन दिनों में अवकाश होने पर अगले शैक्षणिक दिवस को दूध उपलब्ध करवाया जाएगा।

कक्षा एक से 5 तक के बच्चों को 150 मिलीलीटर व कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को 200 मिलीलीटर दूध वितरित किया जाएगा। पाउडर मिल्क की खरीद व आपूर्ति राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन लिमिटेड द्वारा की जाएगी। आयुक्तालय मिड डे मील के माध्यम से जिलेवार पाउडर मिल्क का आवंटन किया जाएगा।

योजना की होगी प्रभावी मॉनिटरिंग

योजना को प्रभावी एवं सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला स्तर पर जिला कलक्टर, ब्लॉक स्तर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत एवं विद्यालय स्तर पर प्रबंधन समिति प्रभावी मॉनिटरिंग करेंगे।

गुणवत्ता की जांच स्वास्थ्य विभाग एवं सहकारी डेयरी के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

बैठक के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री ब्रह्माराम चौधरी, शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तर के अधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नशा मुक्त समाज तरक्की का आधार :जयेश भायल

मुबई। हमारे दैनिक जीवन में आस पास मे अनेक परिवर्तनों को हम देखते वैसे ही स्व परिवर्तन से समाज को नशा मुक्त बनाया जा सकता है, समाज मे अगर सुधार लाना है तो पहले स्वयं से सुधार लाना होगा पहले हमें नशीलापन प्रदार्थ से दूर रहना होगा तभी हम समाज मे सुधार ला सकते हैं और आने वाली भावी पी?ी को हम नशा मुक्त बना सकते हैं, हमारे आदरणीय बड़े बुजुर्ग कहते है हमें तो लेना प?ता है हमे आदत प? गई है, अगर आप इस आदत के आदि हो गए तो अपने घर में लिजीये दुसरोको इसके लिए प्रेरित नहीं करना चाहिए, अगर आप बुजुर्ग हो और आपके इसकी लत है तो आप स्वयं अकेलेपन में अपने घर पर उपयोग मे ले सकते, सार्वजनिक मंच या हथाई पर ऐसे नशीले प्रदार्थ का उपयोग करने से इसे बढावा मिलता हैं, सामाजिक बैठक व कार्यक्रम होता है तब समाज के युवा पी?ी ओर बुजुर्ग लोग सभी जाजम पर बैठे रहते तब ही युवा साथी बुर्जगो की मनुवार के साथ जबरदस्ती कर लेते हे ऐसे मे युवाओ की सोच मे नशे का लगाव बढ जाता है, समाज की हर जाजम पर नशा साफ साफ बंद होना चाहिए ताकि आने वाले युवा पी?ी आपसे अच्छे संस्कार ले सके व भावी पी?ी को समाज के संस्कारों का ज्ञान मिल सके, और अमल बी?ी सिगरेट ये सब शरीर के लिए बहुत हानिकारक है सबको पता है फिर भी लोग अपने घरों कि शोभा ब?ाने के लिए रखते हैं अगर आपको शोभा ब?ानी है तो ओर भी है जो शरीर मे विटामिन बुद्धि ब?ाने कि चीजे है जैसे काजू बादाम फ्रूट सुपारी वो रखो ओर आप अपने घरों कि शोभा ब?ाओ ताकि युवा पी?ी को नई सीख मिले ओर समाज का कल्याण हो सके, हमारे बहुत सारे युवा मित्र कहते की हम तो शौक रुपी कभी कभार लेते है पर उनको यह पता नहीं है जब हमारे बुजुर्ग भी कभी युवा थे उन्होंने भी हमारे जैसे शौक से कभी कभार लेते लेते आज ये आम जगह पर चलन हो गया है समाज मे

फिर समाज सुधार कब होगा बुजुर्ग तो कम प? लिखे थे पर आज कि युवा पी?ी तो प?ी लिखी हैं फिर आप कोनसे रास्ते पर जा रहे हो माताजी ने स्वयं समाज सुधार के लिए मद-मांस कभी नही लेने के लिए समाज को जागरूक किया था और उसी मार्ग पर आज आदरणीय दिवान साहब स्वयं समाज मे जा रहे है हर कार्यक्रम में लोगो को नशा मुक्त होने के लिए सन्देश देकर जागृत कर रहे है, हमे हमारे माताजी व धर्म गुरुजनों कि बातों को स्वयं में सुधार करना चाहिए में ज्यादा नही लिखूंगा क्योंकि की बहुत लोगो को मेरी बातें बुरी लग सकती है खेर उनका नजरिया है हम उनको कोई बोल भी नहीं सकते है एक दिन वो स्वयं भी इन बातों को अपने अंदर उतारकर नशा मुक्ति के लिये समाज मे अहम भूमिका निभाएंगे, समाज मे जितनी भी संस्थान व संस्था है उनके पदाधिकारी नशा मुक्त होने चाहिये तभी समाज मे सुधार आयेगा, आज के युग में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है पर शिक्षा के साथ नशा मुक्ति मुक्त समाज का होना भी बहुत महत्वपूर्ण है, किसी धर्म गुरु ने बहुत सही बात कही है नशा करने वाले से नशा कराने वाला ज्यादा दोषी है क्योंकि की वह आदमी समाज व युवा पी?ी को नशे में धकेलता है, मुझसे लिखने में कोई भूल हो तो माफ करना क्योकी की हम व्यपारी वर्ग से है पूरे दिनचर मे व्यस्त रहने के बाद भी थो?ी टाइम समाज विचार के लिए निकालता हु दो? भाग वाली जिंदगी है पर हर संस्थाओं में छोटे ब? व्यपारियो का भरपूर सहयोग रहता है आप कही पर भी देखलो किसी भी संस्थान के कामकाज को आगे ब?ाने के लिए समाज की झोली सबसे पहले व्यपारी वर्ग के पास आती है इसलिए हर व्यपार को अच्छा दर्जा प्राप्त है, सबका साथ नशा मुक्त समाजजयेश टी भायल धणा, विरार मुंबई पूर्व अध्यक्ष, सीरवी विकास मंडल विरार

राजस्थान में आम आदमी पार्टी की चुनावी अटकलें हुई तेज, आगामी विधानसभा की रणनीति में दिखाई दी आम आदमी पार्टी

एडवोकेट कालूराम अग्रवाल को बनाया चौमूं व फुलेरा विधानसभा का काऑर्डिनेटर....

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के रण की रणनीति अब राजनीतिक दलों द्वारा संचालित होती दिखाई देने लगी। देश की राजधानी में लगातार बैक टू बैक के बाद पंजाब में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी की नजरें राजस्थान पर है. ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी अब पूर्ण रूप से सक्रिय होती हुई अपना जाल बिछा रही है. मंगलवार को जयपुर के चौमूं शहर में स्थित तहसील परिसर में इसका नजारा साफ तौर पर देखा गया. जंहा आम आदमी पार्टी द्वारा चौमूं व फुलेरा विधानसभा के लिए नियुक्त काऑर्डिनेटर का स्वागत

बड़े जोरों शोरो से हो रहा था. मिली जानकारी के अनुसार तहसील परिसर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं, बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के साथ साथ जनता ने कालूराम अग्रवाल को आम आदमी पार्टी का विधानसभा क्षेत्र चौमूं व फुलेरा का कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर बधाई दी. वही साथ ही पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा मध्यप्रदेश के सिंगरौली की मेयर सीट जीतने की खुशी में मिठाई बांटते हुए अपनी खुशी जाहिर कर रहे थे. वही कार्यक्रम के दौरान मिडिया से रूबरू होते हुए कालूराम अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर किया है उस पर खरा उतरेंगे और गांव-गांव, ढाणी- ढाणी आम आदमी पार्टी की विचारधारा को वर्ष 2018 में जिस प्रकार पहुंचाया था उससे भी चौगुनी गति से पहुंचाया जाएगा ।तथा राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के निर्देशानुसार हर वार्ड व कस्बों में संपर्क अभियान के तहत चोमू व फुलेरा विधानसभा में जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ कर दिया गया है ।पार्टी प्रवक्ता से मिली जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी के नेता बनवारी लाल शर्मा, पवन कुमार प्रजापति सहित श्रवण कुमार सैनी, प्रभात बराला, सामोद ब्लॉक इंचार्ज सोनू हिंदूस्तानी,, पूर्व उप प्रधान ओम प्रकाश कुमावत, अमित शर्मा, मुकेश बागड़ा, गिर्राज बागोरिया,चौमूं बार अध्यक्ष हेमाराम चौधरी, महेंद्र खुटेटा, हेमराज यादव, सुनील उप्पल, धीरेंद्र सैनी, गोपाल दिक्षित सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

गर्मियों में बार-बार परेशान कर रहे हैं पिंपल्स, तो इन घरेलू उपायों से करें उनकी छुट्टी

गर्मियों में लगातार आने वाला पसीना पिंपल्स और ब्रेकआउट का कारण बन सकता है। तो पिंपल से अब और ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारे पास उनका इलाज है।गर्मियां और स्किन प्रोब्लम्स एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। गर्मियों का मौसम आते ही आपकी त्वचा अजीब तरह से रिएक्ट करने लगती है। हीट एक्सपोजर आपकी त्वचा को ड्राई, रेड और इर्रिटेट कर सकता है।

गर्मियों में लगातार आने वाला पसीना पिंपल्स और ब्रेकआउट का कारण बन सकता है। तो पिंपल से अब और ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारे पास उनका इलाज है।गर्मियां और स्किन प्रोब्लम्स एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। गर्मियों का मौसम आते ही आपकी त्वचा अजीब तरह से रिएक्ट करने लगती है। हीट एक्सपोजर आपकी त्वचा को ड्राई, रेड और इर्रिटेट कर सकता है। वास्तव में, ज्यादा पसीना आने के कारण आपके पोर्स बंद या संकुचित हो सकते हैं, जिसके कारण आपको एक्ने ब्रेकआउट हो सकते हैं। मगर परेशान न हों, क्योंकि इनका समाधान आपकी रसोई में ही है। आइए जानें उन घरेलू उपायों के बारे में जो एक्ने, पिंपल और ब्रेकआउट की छुट्टी कर सकते हैं।पिंपल्स के कारण और इनके उपचार के बारे में जानने के लिए हेल्थ शॉट्स ने बात की एशियन हॉस्पिटल फरीदाबाद, हरियाणा की सीनियर कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ अमित बांगिया से। उन्होंने कुछ ऐसे बेहतरीन घरेलु उपाय सुझाए जो न सिर्फ आपके एक्ने को ठीक करने में मदद करेगा, बल्कि आपकी पूरी स्किन हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं।

गर्मियों में पिंपल्स से घुटकारा पाने के लिए 7 घरेलू उपाय यहां दिए गए हैं

1 **एलोवेरा**–एलोवेरा जेल एक हर्बल मैजिक की तरह है, जो इन गर्मियों में कई तरह की स्किन प्रोब्लम्स में मदद कर सकता है। बरसों से एलोवेरा इनका प्रभावी उपचार रहा है। डॉ बांगिया के अनुसार, यह एक नेचुरल एंटिबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लामेंटरी गुणों से भरपूर है। इसलिए इससे जलन और साइड इफैक्ट की बहुत कम संभावना होती है। इसका उपयोग करने के लिए एक बाउल में 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल, 1 बड़ा चम्मच शहद और 1 चम्मच दालचीनी लें। इन सभी चीजों को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इसे अपनी स्किन पर रोजलगाएं। यह सभी इन्ग्रेडिएंट्स एंटीबैक्टीरियल और सूदिंग होते है। जब एक साथ मिलाए जाते है, तो एक-दूसरे के पूरक की तरह काम करते है और एक्ने के लिए एक उपयोगी रेमेडी बन जाते हैं।

2. **हल्दी** -हल्दी एक बेहतरीन मसाला है। जब बात त्वचा की हो तो इसके एंटीइंफ्लामेंटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण मुहांसे को दूर करने में मदद करते हैं। वास्तव में, यह आपके चेहरे से दाग, धब्बे और झाइयों को कम करके आपके चेहरे पर ग्लो लाता है।

इस तरह करें हल्दी का इस्तेमाल

इसका उपयोग करने के लिए एक साफ और सूखी कटोरी में एक चुटकी आर्गेनिक हल्दी पाउडर लें, और इसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं।इसे अच्छी तरह मिलाएं और इसमें 3-4 बूंद केस्टर ऑयल की मिलाएं।इस मिश्रण को 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें।फिर अपने चेहरे पर लगाएं। इसे 20 मिनट तक के लिए अपने चेहरे पर लगाएं रखें फिर धो लें।

3. **सेब का सिरका**–सेब का सिरका शाकलाका बूम-बूम वाली पेंसिल की तरह काम करता है। क्योंकि यह जादू की तरह काम करता है। डॉ बांगिया का कहना है, एसीवी में ऑर्गेनिक एसिड जैसे कि सिट्रिक एसिड होता है, जो प्रोपियोनिबेक्टेरियम एक्ने और एक्ने पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद करते हैं।लेकिन आपको इस प्रोडक्ट के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की जरुरत है, क्योंकि यह कई लोगों में जलन पैदा कर सकता है। इसलिए हमेशा पैच टेस्ट जरुर करें और इसे लगाने से पहले पानी मिलाकर पतला जरुर कर लें।

4. **नीम**–सदियों से नीम को स्किन हीलिंग रेमेडी के रुप में इस्तेमाल किया जा रहा है। नीम में विटामिन, कैल्शियम, एंटीऑक्सिडेंट, एंटीबैक्टीरियल प्रोपर्टीज अधिक होती हैं। जो इसे गर्मियों के दौरान ब्रेकआउट रोकने के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन बनाती हैं।इतना ही नहीं, यह एक नेचुरल एंटिबैक्टीरियल है, जो त्वचा को मॉइश्चराइज करने और कोलेजन की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही आपके चेहरे पर हेल्दी ग्लो बनाए रखता है।

इस तरह करें नीम का इस्तेमाल–इसे इस्तेमाल करने के लिए मुठ्ठी भर नीम की पत्तियां 5 कप पानी में डालकर धीमी आंच पर एक घंटे तक उबालें, इसे रात भर के लिए छोड़ दें।
अगली सुबह पानी को छानकर इन पत्तियों का पेस्ट बना लें।
अब इसे इफेक्टिव एरिया पर लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

5. **टी ट्री ऑयल** -अंदाजा लगाएं? टी ट्री ऑयल एक्ने प्रोन त्वचा के लिए एक बेहतरीन एंटीबैक्टीरियल है। डॉ बांगिया के अनुसार, टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल एक्ने के स्पॉट ट्रीटमेंट के लिए कर सकते है। टी ट्री ऑयल का लाभ है, कि यह बैक्टीरिया के प्रतिरोध और जलन जैसे अन्य अनचाहे जोखिमों के बिना काम करता है।

इस तरह करें टीट्री ऑयल का इस्तेमाल–टीट्री एसेंशियल ऑयल की 5 बूंदे, रोजमेरी एसेंसियल ऑयल की 2-3 बूंदे, गुलाब जल की 10 बूंदे और 4 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें। सभी साम्रगी अच्छे से मिला लें। फिर इसे अपनी त्वचा पर लगाएं और 10 मिनट तक रखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

6. **चंदन**–चंदन के पेस्ट का इस्तेमाल पिंपल्स, एक्ने, फोड़ें-फुंसियों के ट्रीटमेंट के लिए किया जा सकता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट अधिक होते हैं, जो रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। साथ ही चंदन अपनी हीलिंग प्रोपर्टीज के लिए जाना जाता है।

युवाओं को अधिक परेशान करती है एंग्जाइटी

छोटी-छोटी बातों पर आपका दिल घबराने लगता है क्या? अचानक आपके दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं? मन बेचैन हो उठता है और समझ में नहीं आता कि क्या करें? क्या रात को सोते समय आप करवटें बदलते रहते हैं और किसी भी तरह आपके मन को शांति नहीं मिलती? क्या परीक्षाओं के समय, पहाड़ पर चढ़ते हुए, समुद्र के किनारे या भीड़भाड़ को देखकर आप घबरा जाते हैं? यदि ऐसा है तो आप एंग्जाइटी डिसॉर्डर के शिकार हैं। मेडिकल की जुबान में एंग्जाइटी डिसॉर्डर का अर्थ है स्नायुतंत्र पर अधिक दबाव पड़ना। बदलती जीवनशैली और आगे बढ़ने की होड़ के कारण लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

क्या है एंग्जाइटी डिसॉर्डर

एंग्जाइटी डिसॉर्डर वास्तव में एक प्रकार का मानसिक विकार है। तमाम मनोरोगों में घबराहट सबसे ज्यादा पाया जाने वाला विकार है। आमतौर पर यह रोग 13 से 35 साल के लोगों में देखने को मिलता है। एंग्जाइटी डिसॉर्डर के समय रोगी के स्वायत्त तंत्रिका तंत्र में अनुकंपी तंत्रिका तंत्र की वृद्धि हो जाती है। इस दौरान शरीर में कैटेकोल अमीब्स हार्मोन में वृद्धि हो जाती है, जिस कारण घबराहट होने लगती है। अगर इस रोग का सही समय पर इलाज न कराया जाए तो धीरे-धीरे यह फोबिया में बदल जाता है।

एंग्जाइटी डिसॉर्डर के दुष्प्रभाव-डिप्रेशन होना : लगातार घबराहट होने और इसका सही समय पर उपचार न होने से आप डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। हालांकि आपको शुरुआत में इसका अहसास नहीं होगा, लेकिन धीरे-धीरे आप अवसाद में रहने लग जाते हैं। इससे आपको डिप्रेशन की समस्या हो सकती है।

लोगों से दूर रहना : एंग्जाइटी का शिकार होने पर आप लोगों से दूर भागने लगते हैं। उनसे कटे-कटे रहते हैं और अकेला रहना चाहते हैं। आपको किसी से बात करने का मन नहीं करता और आप गुमसुम रहने लगते हैं।

आत्महत्या की प्रवृत्तियों का बढ़ना : एंग्जाइटी की शिकायत बढ़ने पर आपमें आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है। आप खुद से भागने लगते हैं और बार-बार आत्महत्या का प्रयास करने लगते हैं।

चीजों को भूलना : जब एंग्जाइटी डिसॉर्डर बहुत अधिक बढ़ जाता है और आप डिप्रेशन में रहने लगते हैं तो आप चीजों को भूलने लगते हैं। ये समस्या सीधे तौर पर एंग्जाइटी के कारण नहीं, लेकिन एंग्जाइटी से होने वाली समस्याओं के कारण होती है।

चीजों पर फोकस न कर पाना : आपकी ये समस्या जैसे-जैसे बढ़ती जाती है, आप चीजों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता गंवाते जाते हैं। किसी काम में आपका मन नहीं लगता।

एंग्जाइटी डिसॉर्डर का उपचार-घबराहट या बैचेनी जैसी बीमारियों के लिए बाजार में अब कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हैं। ये दवाएं 12 से 15 सप्ताह के अंदर रोगी को पूरी तरह से स्वस्थ बना देती हैं। लेकिन कोई भी दवा बिना चिकित्सक की सलाह के नहीं लेनी चाहिए। साथ ही रोगी को किसी अच्छे मनोचिकित्सक को दिखाना चाहिए। आपको एंग्जाइटी डिसॉर्डर से

किफायती और टेस्टी बेसन के लड्डू

लड्डू बेसन के हों या बूंदी के, सब से ज्यादा खाए और बेचे जाते हैं. इन्हें किसी भी छोटीबड़ी दुकान से खरीदा जा सकता है. मिठाई कारोबार में बेसन के लड्डुओं की बहुत ज्यादा अहमियत है. इन को कहीं ले जाने में किसी तरह से खराब होने की परेशानी नहीं होती है. खुशी के हर मौके पर लड्डुओं का साथ जरूरी होता है. बेसन और बूंदी से बनने वाले लड्डू सब से खास होते हैं. लड्डू बनाने के तौरतरीकों से इस की अलग पहचान बनती है. मोतीचूर का लड्डू छोटीछोटी बेसन की बूंदियों से तैयार किया जाता है. इस का रंग बेसन या बूंदी के लड्डू से अलग होता है. जहां साधारण लड्डू पीले रंग के होते हैं, वहीं मोतीचूर के लड्डू केसरिया रंग के होते हैं. देशी घी से बनने वाले मोतीचूर के लड्डू खाने में अलग स्वाद देते हैं. रिफाइंड और डालडा से बनने वाले लड्डुओं के मुकाबले देशी घी से तैयार लड्डू कीमत में महंगे जरूर होते हैं, पर इन का स्वाद निराला होता है.

कुछ समय पहले शादी में लड़की की विदाई के समय लड्डुओं को बड़ेबड़े टोकरों में भर कर दिया जाता था. इन टोकरों से लड़की वालों की हैसियत का अंदाजा भी लगाया जाता था. बदलते समय में विवाह की इस परंपरा में दूसरी मिठाइयां भी शामिल हो गई हैं, पर लड्डू की जगह अभी कायम है. शगुन के रूप में लड्डुओं को अभी भी खास माना जाता है. कुछ लोग अपनी खुशियों में 51 और 101 किलोग्राम के स्पेशल लड्डू भी बनवाते हैं.

लड्डू बनाने के कारीगर रमेश गुप्ता कहते हैं, 'लड्डू बनाने के लिए बेसन, घी, चीनी, काजू, बादाम और इलायची का इस्तेमाल किया जाता है. अगर बूंदी का लड्डू बनाना है, तो बेसन से पहले बूंदी बनाई जाती है, इस के बाद चाशनी में डाल कर उस से लड्डू तैयार किए जाते हैं.'

कैसे बनाते हैं लड्डू

रमेश गुप्ता कहते हैं, 'बेसन के लड्डू बनाने के लिए 2 कप बेसन के साथ आधा कप घी, 1 कप पिसी चीनी, 5-6 काजूबादाम और इलायची की जरूरत होती है. काजू, बादाम और इलायची को दरादरा पीस लें. बेसन को छान लें. कड़ाही को गरम करें. उस में घी डालें. फिर बेसन और दरदरे पीसे काजू, बादाम व इलायची डाल कर मध्यम आंच पर भूनें. जब बेसन का रंग सुनहरा हो जाए तो उस में चीनी मिला दें. चीनी पिघल कर बेसन में ठीक से मिल जाती है. कड़ाही को आंच से उतार कर बेसन के मिश्रण को ठंडा होने दें. ठंडा होने के बाद थोड़ाथोड़ा मिश्रण हथेली के बीच में ले कर गोलगोल आकार के लड्डू बनाएं.'

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए पहले बेसन से बूंदी बनाई जाती है. उस में खाने वाला रंग मिला कर बेसन से अलग रंग के लड्डू भी तैयार किए जा सकते हैं. बूंदी के आकार से ही लड्डू का स्वाद जुड़ा होता है. महीन बूंदी वाले लड्डू को मोतीचूर का लड्डू कहते हैं. तैयार बूंदी को चीनीपानी से तैयार चाशनी में मिलाया जाता है. कुछ ठंडा होने पर लड्डू बना कर तैयार किए जाते हैं. सजावट के लिए मेवों का इस्तेमाल किया जा सकता है..

बच्चों के बदलते रंगढंग, पेरेंट्स हो रहे तंग

राहुल के पेरैंट्स को उस समय गहरा सदमा लगा जब उन्हें पता चला कि उन के बेटे का लिवर खराब हो चुका है. उन्होंने 2 साल पहले राहुल को इंजीनियरिंग पढ़ने के लिए बेंगलुरु भेजा था. अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा वे अपने लाड़ले की पढ़ाई पर खर्च कर रहे थे. उन्हें भरोसा था कि पढ़लिख कर राहुल का कैरियर संवर जाएगा. बेटे से मिलने जब वे बेंगलुरु पहुंचे तो डाक्टरों ने बताया कि काफी ज्यादा नशा लेने की वजह से राहुल का लिवर खराब हो गया है. यह सुन कर उन्हें झटका लगा. पढ़ने के बजाय राहुल नशाखोरी करता रहा. सिर पीटने के अलावा उन के पास कोई चारा न था. इस तरह के ढेरो वाकए हैं कि जब मातापिता बेटे को पढ़नेलिखने के लिए बाहर भेजते हैं और बेटा नशे के जाल में फंस कर अपनी जिंदगी व कैरियर चौपट कर लेता है.

पटना के एक बैंक अधिकारी हीरा सिन्हा के साथ कुछ ऐसा ही हादसा हुआ. 4 साल पहले उन्होंने बड़े ही जतन से अपने इकलौते बेटे रौशन को मैडिकल की कोचिंग के लिए दिल्ली भेजा था. वे हर महीने बेटे के बैंक अकाउंट में 10 हजार रुपए डाल देते और निश्चिंत थे कि उन का बेटा मैडिकल की जम कर तैयारी कर रहा है. एक दिन उन के पास पुलिस का फोन आया कि उन के बेटे ने खुदकुशी कर ली है. दिल्ली पहुंचे तो पता चला कि शुरुआत में एक महीना कोचिंग करने के बाद वह कभी कोचिंग करने गया ही नहीं. शराब और ड्रग्स की चपेट में फंस कर उस ने अपनी जिंदगी ही खत्म कर ली.

स्कूल, कालेज और कोचिंग क्लासेज करने वाले काफी ज्यादा बच्चे नशे के शिकार बन रहे हैं. जब नशे की वजह से किसी गंभीर और खतरनाक बीमारी की चपेट में आ जाते हैं तो उन्हें पता चलता है कि नशे ने उन का क्या बरबाद कर के रख दिया. ग्लानि और मातापिता के डर से कई खुदकुशी कर लेते हैं तो कई बीमारी का इलाज करातेकराते ही अपने जीवन का सुनहरा दौर खत्म कर लेते हैं. रमेश कदम पटना में सैंकंड ईयर इंजीनियरिंग का स्टूडैंट है. पढ़ाई के दौरान ही उस की संगति नशेड़ियों से हो गई और शराब पीने की लत लग गई. उस की आंखें हमेशा लाल और चढ़ीचढ़ी रहने लगीं और वह बातबात पर चिड़चिड़ाने व झल्लाने लगा. घर वाले उसे डाक्टर के पास ले गए तो डाक्टर ने बताया कि रमेश नशे का आदी है. डाक्टर ने कहा कि नशामुक्ति केंद्र में डाल कर उस का इलाज कराएं.

बच्चे के रोज की दिनचर्या और उस की बदल रही गतिविधियों पर मातापिता को नजर रखनी चाहिए. बच्चे के रंगढंग में बदलाव दिखने पर सतर्क हो जाना चाहिए. नशा या किसी भी गलत काम करने वाला लड़का दिन या शाम में कोई खास समय पर घर से गायब होने लगता है. वह पढ़ाई करने, दोस्तों से नोट्स लेने, टीचर के पास जाने, दोस्तों द्वारा पार्टी देने आदि का बहाना बना कर रोज घर से निकलने लगेगा. रोजरोज ऐसे बहाने बना कर बच्चा बाहर जाने की कोशिश करे तो शुरू में ही उसे समझाबुझा कर या हलकी डांटफटकार लगा कर पढ़ाई के लिए बैठने को कहें. आखिर पढ़ाईलिखाई की उम्र में बच्चे कैसे और क्यों नशे के जाल में फंस जाते हैं? बच्चों के प्रति मातापिता और परिवार का ध्यान न देना इस की सब से बड़ी वजह है. ज्यादातर मातापिता बच्चों को किताब, कपड़े, मोबाइल, कंप्यूटर, रुपया दे कर अपनी जिम्मेदारी का खत्म होना समझ लेते हैं. जबकि उन्हें चाहिए कि रोज बच्चों के साथ बैठ कर पढ़ाई, टीचर, दोस्तों और उन के शौक के बारे में उन से बातें करें.

स्किन सोरायसिस से हैं परेशान,तो ये घरेलू नुस्खे आपको राहत दे सकते हैं

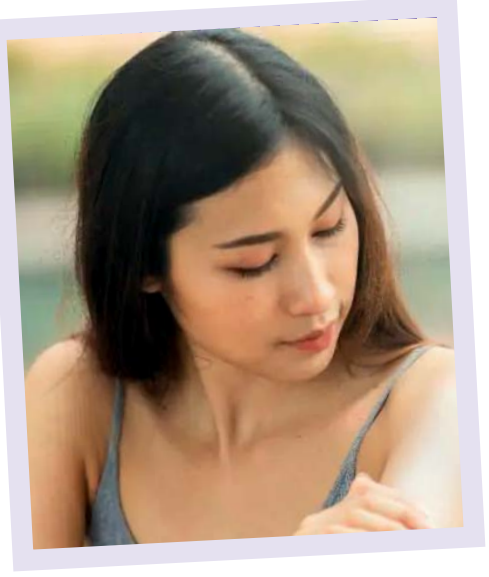

अगर आपकी कुहनी या टखने के पास की त्वचा अचानक से मोटी हो गई है, जिससे उसमें दरारें पड़ने के साथ खुजली भी होती है, तो काफी हद तक संभावना है कि आपको स्किन सोरायसिस की समस्या हो। स्किन सोरायसिस त्वचा की वह स्थिति है, जिसमें त्वचा की कोशिकाएं असामान्य स्तर पर बढ़ने लगती हैं। आमतौर पर, कोशिका पुनर्जननहोता है और मृत त्वचा कोशिकाओं के साथ संतुलन बनाता है। चूंकि त्वचा की कोशिकाएं असामान्य रूप से विकसित होने लगती हैं और आपकी त्वचा के ऊपर दिखाई देती हैं। जिससे आपको त्वचा पर दरारें और खुजली महसूस होती है। ये स्थिति किसी के लिए भी परेशानी भरी हो सकती है। इसमें राहत पाने के लिए हम कुछ घरेलू नुस्खे आपके लिए लेकर आए हैं।

क्या है स्किन सोरायसिस- सोरायसिस पर मेयो क्लीनिक की रिपोर्ट के अनुसार यह आम तौर पर घुटनों, कोहनी और कभी-कभी स्कैल्प में होता है। यह हथेलियों, टोरसो और पैरों के तलवों को भी प्रभावित कर सकता है। सोरायसिस, कभी-कभी सोरियाटिक आर्थराइटिस से जुड़ा पाया जा सकता है, जिससे जोड़ों में सूजन और दर्द होता है। ऐसा अनुमान है कि भारत में सोरायसिस से पीड़ित 10 से 30 प्रतिशत लोग सोरियाटिक आर्थराइटिस से भी पीड़ित हैं। त्वचा की कोशिकाओं के असामान्य व्यवहार करने के कई कारण हैं। जिसमें से सबसे प्रमुख है आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली का कमज़ोर होना ।इस बीमारी की विशेषता है त्वचा की कोशिकाओं का सामान्य विकास की तुलना में 10 गुना अधिक तेजी से बढ़ना। जैसे-जैसे मृत कोशिकाएं त्वचा की सतह तक पहुंचती हैं, उनके इकट्ठे होने के कारण उभरे हुए लाल प्लाक सफेद स्कल्स से ढक जाते हैं। यूं तो इसका कोई जड़ से इलाज उपलब्ध नहीं है पर इसके शुरुआती समय में अगर ये घरेलू उपचार अपनाए जाएं तो इसमें राहत मिल सकती है

1 **मॉइस्चराइज़र**-यदि आप भी सोरायसिस की वजह खुजली को दूर करने का तरीका खोज रही है, तो हैवी क्रीम का इस्तेमाल करें। पेट्रोलियम जेली या कोई अन्य गाढ़ा मॉइस्चराइज़र आज़माया जा सकता है। यह आपकी त्वचा को ठीक करने और लालिमा कम करने में मदद करने के साथ ही उसे मॉइश्चराइज भी रखता है।

2 **सूरज की रोशनी**-सनलाइट यानी सूरज की रोशनी आपकी बॉडी को कई रोगों से दूर रखता है। सुबह के समय जब सूरज की गर्मी बहुत तेज़ नहीं होती, तो आउटडोर में कुछ समय बिताएं। सूर्य की पराबैंगनी बी किरणें सोरायसिस से लड़ने में आपकी मदद कर सकती हैं।दिन में 5 या 10 मिनट का सनटाइम भी आपके सोरायसिस के लिए फायदेमंद रहेगा। सोरायसिस वाले धब्बों पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। बहुत अधिक धूप से बचें यह आपके लिए त्वचा कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती है।

3 **हल्दी**-अध्ययनों से पता चलता है कि हल्दी आपके सोरायसिस फ्लेयर-अप को कम कर सकती है। इसे अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करें।

4 **टी ट्री ऑयल** -यह पौधा ऑस्ट्रेलिया मूल से आता है, लेकिन सोरायसिस से राहत पाने के लिए आपको इतनी दूर जाने की जरूरत नहीं है। इससे बने शैंपू आपके स्कैल्प पर होने वाले छालरोग यानी सोरायसिस में राहत दे सकते हैं।

5 **ध्यान और योग**-सोरायसिस के लक्षणों को दूर करने के लिए रोजमर्रा के तनाव को कम करें। ध्यान आपको सोरायसिस बढ़ने से रोकने में मदद कर सकता है। यदि आपको सोरियाटिक गठिया है। तो योग विशेष रूप से सहायक है, क्योंकि यह जोड़ों के दर्द को कम करता है और आपकी गतिसीमा बढ़ाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं
प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601 RNI No-RAJHIN/2021/81002